धनबाद, शुक्रवार
12 जून 2026
वर्ष : 03 अंक : 252
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

मणिपुर में कुकी समुदाय के 2 लोगों की हत्या

इम्फाल (एजेंसी) : मणिपुर में गुरुवार सुबह 4:55 बजे संदिग्ध उग्रवादियों के कुकी समुदाय के 2 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। 30 घरों में आग भी लगा दी गई। घटना कामजोंग जिले के कुलतूह कुकी गांव की है। एक दिन पहले कांगपोकपी जिले में नगा समुदाय के 6 लोगों के शव बरामद हुए थे। आशंका जताई गई है कि सभी शव उन 6 लोगों के हैं, जिन्हें 13 मई को लीलोन वैफेई गांव से अगवा किया गया था। पुलिस के मुताबिक दोनों की घटनाओं के बाद से इन इलाकों में तनाव का माहौल है। इलाके में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है।मणिपुर के कांगपोकपी जिले के लीलोन वैफेई गांव से 13 मई को नगा समुदाय के 6 लोगों का अपहरण कर लिया गया था। करीब 29 दिन बाद, 9 जून को कराम वैफेई गांव से 6 शव मिले। माना जा रहा है कि ये शव उन्हीं छह लोगों के हैं, जिन्हें अगवा किया गया था। पुलिस के अनुसार, सभी शव बुधवार रात करीब 2 बजे पोरोम्पाट स्थित अस्पताल लाए गए। शवों के पहुंचने की खबर मिलते ही वहां सैकड़ों लोग जुट गए। भीड़ के कारण तनाव बढ़ गया, जिसके बाद हालात नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। इस घटना के विरोध में कई जगह प्रदर्शन हुए। सेनापति जिले के करोंग इलाके में कुछ लोगों ने सामान से भरे ट्रकों में आग लगा दी। नगा पीपुल्स फ्रंट के कार्यालय में तोडफोड़ की गई। वहीं, तमेंगलोंग जिले के तामेई इलाके में भी लोगों ने हंगामा किया।

बच्ची को कुत्तों ने नोच-नोचकर मार डाला

मोरिंडा(एजेंसी) : रूपनगर के मोरिंडा में 8 साल की बच्ची को कुत्तों ने नोच-नोचकर मार डाला। बच्ची दोपहर में अपने घर से पास के बाजार में दूध खरीदने के लिए निकली थी। कुत्तों को देखकर घबराई और अपनी जान बचाने के लिए घर की ओर भागी, लेकिन झुंड ने उसका पीछा किया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि बच्ची जान बचाने के लिए चिल्ला रही थी। आखिर में जब तक लोग पहुंचे तब वह गंभीर रूप में घायल हो चुकी थी। उसे पीजीआई ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं बच्ची की मौत के बाद उसकी मां बेसुध हो गई। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसा बुधवार दोपहर करीब 3 बजे हुआ। सीसीटीवी फुटेज में बच्ची सुनसान रास्ते पर अकेले जाते हुए दिखाई दे रही है। वह थोड़ी दूर जाती है। कुछ देर बाद वह वापस उसी ओर भागते हुए नजर आती है। उसके पीछे 5 से 6 कुत्तों का झुंड होता है।

केरलम में निपाह वायरस लौटा

तिरुवनंतपुरम(एजेंसी) : केरलम में इस साल निपाह वायरस का पहला केस मिला है। इसकी जानकारी गुरुवार को सामने आई। मरीज 43 साल का है और कोझिकोड का रहने वाला है। राज्य सरकार ने रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। मरीज को हल्का बुखार आने पर प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। बाद में कोझिकोड मेडिकल कॉलेज भेजा गया। उसकी हालत गंभीर है और वह वेंटिलेटर पर है। स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने कहा, मरीज कई लोगों के संपर्क में आया था। अस्पताल के स्टाफ और उसके संपर्क में आए संभावित लोगों को क्वारंटीन रहने को कहा गया है। फिलहाल घबराने की जरूरत नहीं है। 2018 के बाद से केरलम में छठी बार संक्रमण फैला है। आखिरी बार दो साल पहले 2024 में दो केस मिले थे। इनमें एक मरीज की जान चली गई थी।

नीति आयोग की बैठक में हेमंत सोरेन ने केंद्र से 1.36 लाख करोड़ रुपये बकाया भुगतान, जल जीवन मिशन की राशि

स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी और मेडिकल कॉलेजों की मंजूरी समेत कई अहम मांगें रखीं

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद की बैठक में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के विकास, संसाधनों पर अधिकार और केंद्र से अपेक्षित सहयोग से जुड़े मुद्दों को मजबूती के साथ उठाया। अपने विस्तृत संबोधन में मुख्यमंत्री ने झारखंड को केवल खनिज संपदा वाले राज्य के रूप में नहीं, बल्कि देश के भविष्य के औद्योगिक, शैक्षणिक और मानव संसाधन विकास के केंद्र के रूप में देखने की वकालत की।उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 का सपना तभी साकार होगा, जब झारखंड जैसे राज्यों को संसाधन उपलब्ध कराने वाले प्रदेशों के बजाय विकास के बराबर भागीदार के रूप में स्वीकार किया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड देश के औद्योगिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है।कोयला, लौह अयस्क, बॉक्साइट और अन्य खनिजों ने देश के औद्योगिक विकास को ऊर्जा दी है, लेकिन इसके बदले राज्य ने विस्थापन, पर्यावरणीय दबाव और नक्सलवाद जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना भी किया है। उन्होंने कहा कि राज्य गठन के 25 वर्षों के अनुभव से यह स्पष्ट हो चुका है कि केवल खनिज संपदा से विकास संभव नहीं है। इसके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और मानव संसाधन निर्माण को प्राथमिकता देनी होगी।मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य के 38 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों में से लगभग 15 हजार केंद्र आज भी अपने भवन से वंचित हैं।इसके बावजूद पोषण अभियान और राज्य सरकार के सामर कार्यक्रम के कारण कुपोषण और स्टंटिंग में उल्लेखनीय कमी आई है।उन्होंने बताया कि राज्य सरकार अपने संसाधनों से 5000 नए आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण कर रही है और केंद्र सरकार के सहयोग से इस कार्य में और तेजी लाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से अब झारखंड के विद्यार्थी आईआईटी, मेडिकल और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में चयनित हो रहे हैं. राज्य सरकार इसी तर्ज पर 5000 विद्यालय विकसित करने की दिशा में काम कर रही है।मुख्यमंत्री ने झारखंड में पीएम श्री विद्यालयों और केंद्रीय विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की मांग की। साथ

ही राज्य की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को देखते हुए एनसीईआरटी का एक क्षेत्रीय केंद्र झारखंड में स्थापित करने का आग्रह किया।हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड आज प्रतिवर्ष एक लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ रहा है।मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत अब तक 6.76 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है।कृषि, इलेक्ट्रॉनिक्स, ड्रोन और सौर ऊर्जा जैसे उभरते क्षेत्रों में बड़ी संख्या में युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है।उन्होंने बताया कि राज्य में कौशल विकास पर हर वर्ष 1400 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा रहे हैं तथा एशियाई विकास बैंक के सहयोग से 1200 करोड़ रुपये की लागत से मेगा स्किलिंग इकोसिस्टम विकसित किया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण (बीओसीडब्ल्यू) योजना के संचालन में राज्यों को अधिक लचीलापन दिया जाए, ताकि प्रवासी और निर्माण श्रमिकों तक योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके।मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को जिला मुख्यालयों से पंचायत स्तर तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रही है। पंचायत स्तरीय दवा दुकान योजना के तहत राज्य के 24 जिलों में 1276 दवा दुकानें संचालित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि मेडिकल शिक्षा के विस्तार के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन मेडिकल कॉलेजों में 220 अतिरिक्त स्नातक और 217 स्नातकोत्तर सीटों की स्वीकृति लंबित है। उन्होंने केंद्र सरकार से इन प्रस्तावों को शीघ्र मंजूरी देने का अनुरोध किया।इसके अलावा पीपीपी मोड में प्रस्तावित छह मेडिकल कॉलेजों में से चार को मंजूरी मिल चुकी है, जबकि दो की स्वीकृति अभी शेष है।मुख्यमंत्री ने इन दोनों कॉलेजों को भी जल्द मंजूरी देने की मांग की।मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड आज हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट, एथलेटिक्स और तीरंदाजी जैसे खेलों में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुका है। राज्य ने देश को अनेक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं. ऐसे में झारखंड राष्ट्रीय स्तर के हॉकी और फुटबॉल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तथा स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना का स्वाभाविक दावेदार है। उन्होंने कहा कि यह केवल खेल का विषय नहीं, बल्कि आदिवासी और ग्रामीण युवाओं को अवसर देने का प्रश्न है।मुख्यमंत्री ने खेल महासंघों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए उनके पुनर्गठन की भी मांग की तथा राज्यों की भागीदारी वाली समितियों के गठन का सुझाव दिया।बैठक में मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार के समक्ष झारखंड की वित्तीय मांगों को भी प्रमुखता से रखा।उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत लंबित लगभग 6000 करोड़ रुपये की राशि जल्द उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि पेयजल योजनाओं का कार्य समय पर पूरा हो सके।उन्होंने कोयला कंपनियों और केंद्रीय उपक्रमों पर झारखंड की लंबित 1.36 लाख करोड़ रुपये की बकाया राशि का भी मुद्दा उठाया।मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि यह राशि राज्य को प्राप्त होती है तो इसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और मानव संसाधन निर्माण जैसे क्षेत्रों में किया जा सकता है, जिससे लाखों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड को केवल खनिज निकालने वाले राज्य के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। राज्य में वैल्यू एडिशन, मैन्युफैक्चरिंग, क्रिटिकल मिनरल आधारित उद्योग, ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक्स और एग्रो-फूड प्रोसेसिंग क्षेत्रों में बड़े निवेश की आवश्यकता है।उन्होंने कहा कि झारखंड कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित खनिज अन्वेषण और सतत खनन प्रणाली को बढ़ावा देना चाहता है तथा इस दिशा में केंद्र सरकार के सहयोग की अपेक्षा रखता है।

इजराइली सेना ने अल-अक्सा मस्जिद परिसर में चार इमारतों के ताले तोड़े

फिलिस्तीनी निगरानी संगठन ने लगाया आरोप, कब्जा करना चाहता है इजराइल

यरुशलम,(एजेंसी) : यरुशलम की अल-अक्सा मस्जिद जो इस्लाम का तीसरा सबसे पवित्र स्थल है, एक बार फिर विवादों में आ गई है। फिलिस्तीनी निगरानी संगठन अल-कुद्स इंटरनेशनल इंस्टीट्यूशन ने आरोप लगाया है कि इजराइल ने मस्जिद परिसर में मौजूद चार अहम इमारतों को खाली करा दिया है। ये सभी इमारतें जॉर्डन समर्थित इस्लामिक वक्फ के प्रशासनिक और धार्मिक कामों के लिए इस्तेमाल की जाती थीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संगठन का कहना है कि इजराइली अधिकारियों ने सुरक्षा खतरे का हवाला देकर इन इमारतों को निशाना बनाया। आरोप है कि पिछले कुछ महीनों में इजराइली सेना ने इन परिसरों पर छापे मारे, उनके ताले तोड़ दिए

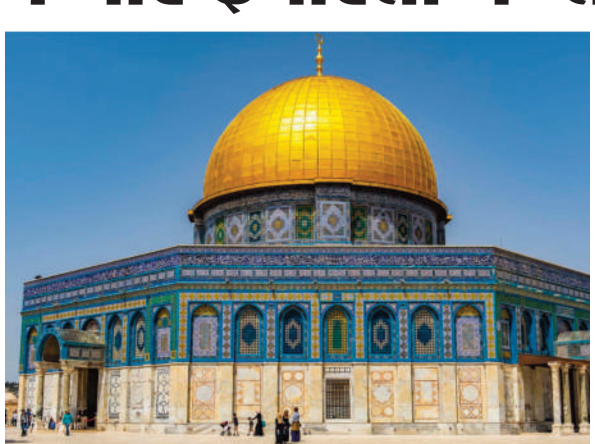

और नए ताले लगाने की इजाजत भी नहीं दी। इसके बाद इन इमारतों को खुला छोड़ दिया गया और किसी भी व्यक्ति को अंदर जाने से रोका गया। खाली कराए गए चार परिसरों में इमाम अल-गजाली गुम्बद, दार अल-हदीस अल-शरीफ, कुब्बत सुलेमान और कुब्बत मूसा शामिल हैं। खास बात यह है कि ये चारों इमारतें अल-अक्सा परिसर के चार अलग-अलग कोनों में स्थित हैं। इसी वजह से फिलिस्तीनी संगठन इसे कोई संयोग नहीं बल्कि सुनियोजित कदम मान रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक अल-कुद्स इंटरनेशनल इंस्टीट्यूशन का दावा है कि इन परिसरों को खाली कराने का मकसद भविष्य में इजराइली पुलिस और प्रशासन के लिए वहां स्थायी नियंत्रण स्थापित करने का रास्ता तैयार करना है। संगठन ने चेतावनी दी है कि इससे इस्लामिक वक्फ की प्रशासनिक भूमिका धीरे-धीरे खत्म हो सकती है और इजराइल असल में अपना एक एडमिस्ट्रेटिव बॉडी स्थापित कर सकता है। करीब 1.44 लाख वर्ग मीटर में फैला अल-अक्सा परिसर पूर्वी यरुशलम के पुराने शहर में स्थित है। यहां मस्जिदों, मदरसों, प्रार्थना स्थलों, गुंबदों और ऐतिहासिक संरचनाओं का विशाल समूह है। दशकों पुराने अंतरराष्ट्रीय स्टेटस क्वो समझौते के तहत इस परिसर का प्रशासन और रखरखाव मुस्लिम संस्थाओं के अधिकार क्षेत्र में है।

बता दें 1967 में पूर्वी यरुशलम पर कब्जे के बाद से इस जिम्मेदारी को जॉर्डन द्वारा नियुक्त यरुशलम इस्लामिक वक्फ निभाता रहा है। हालांकि हाल के वर्षों में वक्फ अधिकारियों ने कई बार आरोप लगाया कि इजराइली प्रतिबंधों की वजह से कर्मचारियों के लिए परिसर में प्रवेश करना और नियमित मरम्मत के काम करना मुश्किल हो रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक फिलिस्तीनी संगठन का कहना है कि हालिया कदमों के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। उसने जॉर्डन से केवल बयान जारी करने के बजाय अल-अक्सा की सुरक्षा के लिए ठोस रणनीति अपनाने की मांग की है। साथ ही अरब और मुस्लिम देशों से भी अपील की गई है कि वे इस मुद्दे को अल-अक्सा के भविष्य से जुड़े गंभीर खतरे के रूप में देखें।

विधानसभा चुनावों और टीएमसी में चल रही फूट को लेकर कांग्रेस की अहम बैठक

बैठक में राहुल गांधी, वेणुगोपाल, प्रियंका गांधी, जयराम रमेश और कई नेता रहे मौजूद

नई दिल्ली,(एजेंसी) : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में गुरुवार को एआईसीसी मुख्यालय में पार्टी के महासचिवों, प्रभारियों और पीसीसी अध्यक्षों की अहम बैठक हुई। बैठक में राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, जयराम रमेश और कई अन्य नेता मौजूद थे। कांग्रेस नेताओं की यह अहम बैठक हालिया विधानसभा चुनावों और टीएमसी में चल रही फूट के बीच हुई। इस बैठक से एक दिन पहले वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए कहा था कि वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा के लिए यह आपात बैठक बुलाई गई है।

जानकारी के मुताबिक गुरुवार को हुई बैठक में मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रमों के अलावा बीजेपी द्वारा केंद्र सरकार के 12 साल पूरे होने के प्रचार अभियान और पीएम नरेंद्र मोदी के जवाहरलाल नेहरू का सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड तोड़ने से जुड़े राजनीतिक विमर्श का जवाब देने की रणनीति पर चर्चा की। पार्टी नेतृत्व दल-बदल की बढ़ती घटनाओं और विपक्षी दलों के बीच समन्वय को मजबूत करने के मुद्दे पर भी विचार किया गया। राज्यों में संभावित सहयोगी दलों के साथ तालमेल बढ़ाने और विपक्षी गठबंधन के विस्तार को लेकर मंथन हो सकता है।रिपोर्ट के मुताबिक कहा जा रहा है कि इस बैठक में टीएमसी के कुछ सांसदों के लोकसभा में अलग समूह के रूप में बैठने और बीजेपी नीत सरकार की प्राथमिकताओं के साथ जाने की अटकलों के बीच कांग्रेस विपक्षी एकजुटता बनाए रखने के उपायों पर चर्चा की गई। यह बैठक सोमवार को हुई इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद आयोजित की गई थी। बैठक के बाद खड़गे ने कहा था कि इंडिया गठबंधन की सभी पार्टियां राष्ट्रीय मुद्दों पर बेहतर समन्वय के लिए हर दो महीने में बैठक करेंगी। गठबंधन की अगली बैठक अगस्त में हैदराबाद में होगी।

खड़गे ने बताया कि इंडिया गठबंधन ने एसआईआर, चुनावी अनियमितताओं और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखने का फैसला किया है। साथ ही विपक्षी दलों ने नीट और सीबीएसई परीक्षाओं से जुड़े विवादों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग भी दोहराई।

गरीबों के राशन का बैकलॉग खत्म करेगी सरकार, एकमुश्त होगी सामग्रियों की खरीद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड सरकार गरीबों को मिलने वाले राशन और अन्य कल्याणकारी सामग्रियों का बैकलॉग पूरी तरह खत्म करेगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश के बाद खाद्य सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने इसको लेकर अपनी कवायद तेज कर दी है।विभाग ने इस समस्या से निपटने के लिए एकमुश्त सामग्रियों की खरीद कर बैकलॉग को समाप्त करने की योजना बनायी है।वर्तमान में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) और झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा अधिनियम (जेएसएफएसए) से जुड़े राज्य के करीब 68 लाख लाभुक परिवारों को समय पर चावल मिल रहा है और यह योजना पूरी तरह अपडेट है।जून माह के राशन का वितरण सुचारू रूप से किया जा रहा है।

राज्य के 8.92 लाख अंत्योदय परिवारों को पिछले 18 महीनों से अनुदानित दर पर मिलने वाली चीनी नहीं मिल सकी है।सरकार की ओर से शुरू की गयी मुफ्त दाल वितरण योजना

में नौ माह का बैकलॉग चल रहा है।वर्तमान में अगस्त व सितंबर 2025 की दाल बांटी जा रही है।किरसन तेल योजना में तीन महीने का बैकलॉग है। फिलहाल जनवरी से मार्च तक के तेल का वितरण हो रहा है।सोना-सोबरन धोती-साड़ी योजना में 10 रुपये में धोती/लुंगी व साड़ी देने की यह योजना छह महीने के बैकलॉग में है।अभी सितंबर 2025 के तहत वितरण किया जा रहा है।नमक वितरण योजना में आठ महीने का बैकलॉग है, जिसके तहत फिलहाल जुलाई से सितंबर 2025 तक के नमक का वितरण चल रहा है। खाद्य वितरण विभाग के मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विभागीय समीक्षा बैठक में बैकलॉग खत्म करने का सख्त निर्देश दिया था। इसके बाद विभाग ने टेंडर निकालकर एकमुश्त राशन व अन्य जरूरी सामग्रियों की खरीद करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।प्रक्रिया पूरी होते ही लाभुकों को उनका बकाया एकमुश्त राशन उपलब्ध करा दिया जायेगा।

बांग्लादेश ने घुसपैठियों को लेने से किया इनकार, सीमा पर बवाल

घुसपैठियों को भगाने पर दोनों तरफ से हुआ पथराव

नई दिल्ली(एजेंसी) : पूर्वोत्तर के राज्य मेघालय से लगती भारत और बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बुधवार को अचानक भारी बवाल और घमासान शुरू हो गया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा कथित रूप से एक बांग्लादेशी घुसपैठिए को वापस भेजने (पुशबैक) की कूटनीतिक और सुरक्षात्मक कार्रवाई के बाद दोनों देशों की संवेदनशील सीमा पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिसके बाद दोनों ओर से भीषण पथराव की घटनाएं सामने आई हैं। यह पूरी घटना मेघालय के दक्षिण पश्चिम गारो हिल्स जिले के महेंद्रगंज क्षेत्र में स्थित नंदिर चार सीमा इलाके की बताई जा रही है। इस घटना के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तनाव चरम पर पहुंच गया है, जिसे नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त जवानों को मुस्तैद किया गया है।

स्थानीय सूत्रों और सीमावर्ती सुरक्षा रिपोर्टों के अनुसार, संबंधित व्यक्ति ने कथित तौर पर अवैध रूप से सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश किया था। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा मुस्तैदी दिखाते हुए उसे हिरासत में लिया गया, जिसके बाद कानूनी और सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत बीएसएफ ने उसे बांग्लादेश की ओर वापस भेजने की निर्धारित प्रक्रिया शुरू की। हालांकि, यह सामान्य प्रक्रिया उस समय बेहद पेचीदा और हिंसक मामले में तब्दील हो गई, जब बांग्लादेश सीमा रक्षक बल (बीजीबी) और सीमा पार मौजूद वहां के स्थानीय निवासियों ने कथित तौर पर उस व्यक्ति को अपना नागरिक मानने और उसे अपने क्षेत्र में स्वीकार करने से पूरी तरह इनकार कर दिया। बीजीबी के इस अड़ियल रुख के कारण वह व्यक्ति दोनों देशों की अंतरराष्ट्रीय सीमा के बीच लगी कटीली फेंसिंग (बाड़) के पास ही फंसा रह गया, जिससे पूरे इलाके में असमंजस और सनसनी फैल गई।

स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि पकड़े गए व्यक्ति ने स्वयं को बांग्लादेश का मूल नागरिक बताया था, लेकिन इसके बावजूद बांग्लादेशी सुरक्षा बल अपने ही नागरिक से मुंह मोड़ते दिखे। इस घटना की खबर जैसे ही सीमावर्ती गांवों में फैली, देखते ही देखते दोनों देशों की सीमा के पास सैकड़ों की संख्या में स्थानीय ग्रामीण और उपद्रवी जमा हो गए, जिससे माहौल पूरी तरह सांप्रदायिक और सुरक्षा के लिहाज से तनावपूर्ण हो गया। सीमा पर जुटी इस अनियंत्रित भीड़ के बीच पहले तीखी कहासुनी हुई और फिर अचानक दोनों ओर से हिंसक पथराव शुरू हो गया। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर लगी बाड़ के आर-पार जमकर पत्थर और लाठियां फेंकी गईं। हालांकि, इस पत्थरबाजी में किसी के गंभीर रूप से घायल होने की तत्काल कोई आधिकारिक सूचना सामने नहीं आई है, लेकिन इस अप्रत्याशित घटना ने भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की चिंताएं काफी बढ़ा दी हैं।इस घटना के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर कई वीडियो भी तेजी से वायरल होने लगे हैं, जिनमें सीमा के दोनों ओर भारी संख्या में लोगों की उग्र मौजूदगी और बेहद तनावपूर्ण माहौल साफ तौर पर देखा जा सकता है। हालांकि, जिला प्रशासन और बीएसएफ ने अभी तक इन वायरल वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और इनकी सत्यता की गहन जांच की जा रही है। भारत की चार हजार किलोमीटर से अधिक लंबी बांग्लादेशी सीमा पर पूरी तरह मुस्तैद बीएसएफ के उच्चाधिकारियों का कहना है

इंजेक्शन लगाते ही 6 वर्षीय बच्ची की मौत, परिजनों ने चिकित्सक पर लगाया लापरवाही व हत्या का आरोप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : कांडी थाना क्षेत्र के एक तथाकथित निजी चिकित्सक के यहां इलाज के दौरान छह वर्षीय बच्ची की मौत हो जाने का मामला प्रकाश में आया है।घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने संबंधित चिकित्सक पर घोर लापरवाही और हत्या का आरोप लगाया है।मृत बच्ची की पहचान कांडी थाना क्षेत्र के बतों खुर्द गांव निवासी निरंजन कुमार गुप्ता की 6 वर्षीय पुत्री ब्यूटी कुमारी के रूप में की गई है।इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस शव को कब्जे में लेकर मामले की छानबीन में जुट गई है जानकारी के अनुसार, मृत बच्ची की मां रेणु देवी ने बताया कि उनकी पुत्री को तीन दिन पूर्व बुखार आया था।इलाज के लिए वह बुधवार को कांडी स्थित चिकित्सक डॉ. रंजीत कुमार मेहता के पास पहुंची थीं। मां का आरोप है कि चिकित्सक ने पहले ब्लड जांच कराने की बात कही।

जांच रिपोर्ट आने के बाद बच्ची को एक इंजेक्शन लगाया गया। परिजनों का कहना है कि इंजेक्शन लगने के तुरंत बाद ही बच्ची की तबीयत अचानक और ज्यादा बिगड़ गई और उसे तेज उल्टी होने लगी। देखते ही देखते कुछ ही देर में उसकी स्थिति बेहद नाजुक हो गई।परिजनों के अनुसार, स्थिति को बिगड़ते देख उक्त चिकित्सक ने आनन-फानन में बच्ची को कांडी अस्पताल रेफर कर दिया, जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए मझिआंव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भेजा गया. हालांकि, जब परिजन बच्ची को लेकर मझिआंव अस्पताल पहुंचे, तो वहां के चिकित्सकों ने जांच के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया।परिजनों का आरोप है कि गलत इंजेक्शन के दुष्प्रभाव के कारण ही उनकी बच्ची की जान गई है और इसके लिए सीधे तौर पर कथित डॉक्टर की लापरवाही जिम्मेदार है। परिजनों ने यह भी बताया कि कांडी में केदार नामक व्यक्ति के पुत्र द्वारा ओम मेडिकल संचालित किया जाता है, जिसके परिसर में ही उक्त चिकित्सक बैठकर मरीजों का इलाज करता है।इधर, इस संबंध में पूछे जाने पर आरोपी चिकित्सक रंजीत कुमार मेहता ने अपने बचाव में कहा कि बच्ची की ब्लड टेस्ट रिपोर्ट देखने के बाद उसे मोनोसेफ 500 एमजी का इंजेक्शन लगवाया गया था। उन्होंने दावा किया कि बच्ची को थोड़ा इंफेक्शन और टाइफाइड की शिकायत थी।इंजेक्शन के बाद उसकी स्थिति खराब होते देख उसे तुरंत कांडी अस्पताल रेफर कर दिया गया था।उक्त चिकित्सक ने अपनी शैक्षणिक योग्यता डी.फार्मा बताई है।दूसरी ओर, मझिआंव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से घटना की लिखित सूचना कांडी थाना प्रभारी अमित कुमार को दी गई। सूचना मिलते ही कांडी थाना के एएस-।आई विद्याधर मछुआ पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। पुलिस ने मृत बच्ची के शव का पंचनामा तैयार कर उसे अंत्यपरीक्षण (पो पोस्टमार्टम) के लिए सदर अस्पताल गढ़वा भेज दिया है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की गंभीरता से जांच की जा रही है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद बतों खुर्द गांव सहित पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त है।

संक्षिप्त खबरें

उपायुक्त ने की खाद्य सुरक्षा योजनाओं की समीक्षा, दिए कई निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : समाहरणालय सभागार में गुरुवार को उपायुक्त पशुपति नाथ मिश्रा की अध्यक्षता में जन वितरण प्रणाली एवं खाद्य सुरक्षा से संबंधित योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न हुई।बैठक में उपायुक्त ने कड़ा रुख अपनाते हुए जिला आपूर्ति पदाधिकारी को निर्देश दिया कि जिले के सभी प्रखंडों में संबंधित प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को ही गोदाम प्रभारी का दायित्व सौंपा जाए।वर्तमान में कई प्रखंडों में जनसेवक, लिपिक व अन्य कर्मियों को यह प्रभार दिया गया है, जिससे उनका मूल कार्य प्रभावित हो रहा है।अब उन्हें इस प्रभार से मुक्त कर मूल दायित्वों पर केंद्रित किया जाएगा।बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के तहत जून 2026 माह के खाद्यान्न उठाव, डोर-स्टेप डिलीवरी तथा वितरण की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी लाभुकों को तय समय सीमा के भीतर अनाज उपलब्ध कराया जाए और वितरण में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए।इसके अलावा जुलाई से सितंबर 2025 की अवधि के नमक और सितंबर 2025 के चना दाल वितरण की भी समीक्षा की गई।बताया गया कि राइटफुल टार्गेटिंग अभियान के तहत संदिग्ध राशन कार्डधारियों, 18 वर्ष से कम व 100 वर्ष से अधिक आयु वाले सदस्यों के सत्यापन, साइलेंट राशन कार्डों तथा डुप्लीकेट लाभुकों की स्थिति की जांच की गई।उपायुक्त ने कहा कि अपात्रों की पहचान कर सूची अद्यतन की जाए, ताकि वास्तविक हकदारों को योजना का लाभ मिले।बैडक में ई केवाइसी की प्रगति, रिक्त व लंबित आवेदनों, तथा एजीआर एस व पीजीएम एस पोर्टल्स से प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निवारण करने का निर्देश दिया गया।सार्वजनिक वितरण प्रणाली की निलंबित दुकानों की समीक्षा की गई तथा धान अधिप्राप्ति के विरुद्ध प्राप्त सीएमआर की स्थिति पर चर्चा हुई।बैठक में अपर समाहर्ता विकास कुमार राय, जिला आपूर्ति पदाधिकारी देवानंद राम, सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, जनसेवक तथा संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

सशक्त लोकतंत्र के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में शामिल होना और सूची का त्रुटिरहित होना अत्यंत आवश्यक है : सांसद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला खरसावाँ जिले की सरायकेला विधानसभा क्षेत्र के आदित्यपुर पूर्वी/पश्चिमी, गम्हरिया पूर्वी/मध्य एवं आर.आई.टी. मंडल की आयोजित मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम के अंतर्गत पंचायत प्रभारी एवं बीएलए-2 कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में मतदाता सूची के व्यापक सत्यापन, नए एवं पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने, त्रुटियों के निराकरण तथा बूथ स्तर पर संगठन की भूमिका को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।कार्यशाला में पहुंचे पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सह राज्य सभा सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने पार्टी कार्यकताओं को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।डा प्रदीप वर्मा ने कहा कि सशक्त लोकतंत्र के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में शामिल होना और सूची का त्रुटिरहित होना अत्यंत आवश्यक है। कोई भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से न छुटे यह ध्यान में रखने पर बल दिया। जिला अध्यक्ष हरेकृष्णा प्रधान के अस्वस्थ होने के कारण बैठक की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष अमितेश अमर ने की।इस अवसर पर मंच पर भाजपा के प्रदेश मंत्री शैलेन्द्र सिंह, आदित्यपुर नगर निगम के महापौर संजय सरदार, पूर्व जिलाध्यक्ष उदय सिंहदेव, पूर्व विधायक अनंत राम टुडू, राकेश मिश्रा, सतीश सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रमेश हांसदा, बीएलए वन राकेश सिंह, जिला के सभी पदाधिकारी, पांचों मंडल के अध्यक्ष और उनकी टीम सहित पार्टी के अनेक कार्यकर्ता और बीएलए टू सदस्यों की उपस्थिति रही. बैठक की समापन भाषण जिला मंत्री सतीश शर्मा के द्वारा किया गया।कार्यशाला में मतदाता सूची के व्यापक सत्यापन, नए एवं पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने, त्रुटियों के निराकरण तथा बूथ स्तर पर संगठन की भूमिका को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

कपाली में बंद पड़े ईंट भट्टे में लाखों की चोरी, मशीनों के कीमती पाट्र्स और लोहे के सामान ले उड़े चोर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला -खरसावां जिला के कपाली ओपी क्षेत्र के हांसाडुगरी स्थित एक बंद पड़े ईंट भट्टे में अज्ञात चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए लाखों रुपये मूल्य के मशीनरी उपकरण और अन्य सामान पर हाथ साफ कर दिया।घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और चोरी में शामिल लोगों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।जानकारी के अनुसार हांसाडुगरी स्थित काला ईंट भट्टा पिछले कुछ समय से बंद पड़ा हुआ है।भट्टे के बंद होने का फायदा उठाकर चोरों ने देर रात भट्टे की छत पर लगे टिन को उखाड़कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद ईंट निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाली मशीनों के महत्वपूर्ण पाट्र्स, लोहे के उपकरण और अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो गए।सुबह जब भट्टे की देखरेख के लिए कर्मचारी वहां पहुंचे तो छत का टिन उखड़ा देखकर उन्हें चोरी की आशंका हुई।अंदर जाकर जांच करने पर मशीनों के कई महत्वपूर्ण हिस्से और अन्य सामान गायब मिले।इसके बाद तत्काल भट्टा मालिक जाकीर हुसैन को घटना की सूचना दी गई।सूचना मिलने पर जाकीर हुसैन मौके पर पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया।उन्होंने कपाली ओपी में लिखित शिकायत दर्ज कराई।चोरी हुए सामानों की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है।घटना की सूचना मिलते ही कपाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई तथा कई बिंदुओं पर जांच शुरू कर दी है।सूत्रों के अनुसार मामले में पूछताछ के लिए एक युवक को हिरासत में लिया गया है।हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।पुलिस का कहना है कि घटना में शामिल आरोपियों की पहचान करने के लिए छानबीन जारी है।चोरी गए सामानों की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की तैयारी की जा रही है।पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही इस चोरी कांड का खुलासा कर लिया जाएगा।उधर लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं ने स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है।लोगों का कहना है कि बंद पड़े प्रतिष्ठानों और औद्योगिक इकाइयों को चोर लगातार निशाना बना रहे हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं।स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने और चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने की मांग की है।

सरना स्थल बचाने को लेकर ग्रामीण हुए एकजुट, भारतमाला सड़क प्रोजेक्ट के खिलाफ आंदोलन की दी चेतावनी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : गुमला स्थित रायडीह प्रखंड के कटकायां गांव स्थित सरना धर्म स्थल को बचाने के लिये गुरुवार को विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया।ग्राम प्रधान हीरालाल एक्का की अध्यक्षता में आयोजित सभा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, बुजुर्ग और युवा शामिल हुए। ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा है कि उनकी धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक पहचान से जुड़े सरना स्थल को किसी भी कीमत पर क्षति नहीं पहुंचने दी जायेगी।ग्राम सभा में बताया गया कि खाता संख्या-123 तथा प्लॉट संख्या-1928 एवं 1928 में स्थित लगभग 19 डिसमिल रकबे का सरना धर्म स्थल भारतमाला सड़क परियोजना के प्रस्तावित मार्ग में आ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार सड़क निर्माण एजेंसी द्वारा कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है।जिससे लोगों की चिंता बढ़ गयी है।ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि भूमि अधिग्रहण और सर्वेक्षण के दौरान स्थानीय लोगों की राय नहीं ली गयी।उनका कहना है कि आदिवासी बहुल क्षेत्र होने के बावजूद प्रशासन की ओर से विधिवत ग्राम सभा आयोजित नहीं की गयी।जबकि ऐसे मामलों में ग्राम सभा की सहमति आवश्यक मानी जाती है।ग्रामीणों ने कहा कि सरना

स्थल केवल पूजा-अर्चना का स्थान नहीं, बल्कि उनकी संस्कृति, परंपरा, इतिहास और सामुदायिक अस्तित्व का प्रतीक है। ऐसे में इसे हटाने या नुकसान पहुंचाने का कोई भी प्रयास उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचायेगा।सभा में उपस्थित ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार, प्रशासन और निर्माण कंपनी ने सरना स्थल को बचाने के लिये वैकल्पिक मार्ग का चयन नहीं किया और जबरन निर्माण कार्य जारी रखा, तो आंदोलन को और व्यापक तथा उग्र रूप दिया जायेगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और संबंधित एजेंसियों की होगी।ग्राम सभा के बाद सभी ग्रामीण सरना धर्म स्थल पहुंचे, जहां पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार सामूहिक पूजा-अर्चना की गयी। इस दौरान सरना धर्म ध्वज स्थापित कर स्थल की रक्षा का सामूहिक संकल्प भी लिया गया। सभा में बैगा शिबनाथ रौतिया, पुजार संतोष एक्का, सुधीर उरांव, देवपाल उरांव, राम किशुन महतो, महावीर महतो, महेश लकड़ा, जस-मन मिंज, प्रबोध कुजूर, सचीत कुजूर, अमृत मिंज, मनीषा मिंज, कुंती मिंज, मीना लकड़ा, बासो उराइन, बुधनी एक्का, फुदैन देवी, जानकी उराइन, सुखमनी उराइन, बिरसो कुजूर, सुमन केरकेट्टा, मैदी उराइन, दिव्या खलखो, शशी कुजूर, सोशन कुजूर, शांति कुजूर, फुलपति तिर्की, अपोलिना कुजूर, भिखनी लकड़ा, महामनी एक्का, संकोच कुजूर, सुनीता एक्का, झुनु उराइन, मीनी उराइन, डहरी देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता को लेकर समाज कल्याण विभाग की कार्यशाला आयोजित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : राज्य में 15 जून 2026 से 26 जून तक संचालित होने वाले निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध राज्यव्यापी अभियान को लेकर गुरुवार को समाहरणालय के द्वितीय तल्ले स्थित सभागार में जिला समाज कल्याण विभाग की ओर से प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत समेत अन्य पदाधिकारियों द्वारा किया गया।उद्घाटन के पश्चात उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने परिवार की चिंता रहती है। ऐसे में यदि किसी परिवार का सदस्य नशे की लत का शिकार हो जाये तो उस परिवार पर क्या बीतती होगी, इसका सहज अनुमान लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जब समाज के युवा नशे की गिरफ्त में आने लगते हैं तो यह अत्यंत भयावह स्थिति होती है। दुर्भाग्य की बात यह है कि अब बच्चे भी नशे की चपेट में आ रहे हैं और यही बच्चे आगे चलकर अपने जीवन को बर्बाद करने की कगार पर पहुंच सकते हैं।उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों की सहायिकाओं एवं सेविकाओं द्वारा नशे के विरुद्ध व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। आप सभी सीधे समाज और जमीनी स्तर से जुड़ी हुई हैं, ऐसे में आपकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे रचनात्मक एवं प्रभावी तरीकों से लोगों के बीच नशा विरोधी जागरूकता का प्रसार करें।कार्यशाला के दौरान आगामी दिनों में निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध किस प्रकार चरणबद्ध तरीके से अभियान चलाया जाना है, इससे संबंधित विस्तृत जानकारी सभी को दी गयी। साथ ही जागरूकता कार्यक्रमों की रूपरेखा, समुदाय स्तर पर किए जाने वाले गतिविधियों एवं संबंधित पदाधिकारियों व कर्मियों की भूमिका पर भी विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला गया।इस अवसर पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों, कर्मियों, लेडीज सुपरवाइजर एवं आंगनबाड़ी सेविकाओं द्वारा नशामुक्त समाज निर्माण हेतु शपथ भी ली गयी। शपथ के माध्यम से सभी ने अपने स्तर से लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा समाज को नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।मौके पर उप विकास आयुक्त सादात अनवर, सिविल सर्जन डॉ. अनिल, जिला कल्याण पदाधिकारी प्यारेलाल, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान, सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक, जिला योजना पदाधिकारी शिशिर तिग्गा, जिला शिक्षा पदाधिकारी सौरभ कुमार, विभिन्न बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में लेडीज सुपरवाइजर एवं आंगनबाड़ी सेविकाएं उपस्थित रही।

बिजली व पानी की समस्या को लेकर कॉलोनी वासियों ने किया कोयला ट्रांसपोर्टिंग कार्य ठप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : सीसीएल की केदला भूगर्भ परियोजना के एलसीएच कॉलोनी में पिछले 25 दिनों से बिजली व पानी की गंभीर समस्या है।इसके लेकर कॉलोनी के लोग काफी परेशान है।पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत गुरूवार को कॉलोनी वासियों ने जेएलकेएम के बैनर तले करमटिया मोड़ के पास सीसीएल केदला बसंतपुर वाशरी का कोयला ट्रांसपोर्टिंग कार्य ठप करा दिया। बंदी के कारण वाहनों की कतार लग गयी. बिजली व पानी की मांग को लेकर आंदोलन कारी धरना पर बैठ गये। आंदोलन के नेतृत्व कर रहे जेएलकेएम के मांडू विधानसभा प्रभारी बिहारी महतो ने कहा कि सीसीएल प्रबंधन कॉलोनी वासियों के बिजली व पानी को बांधित करने का काम किया है।इसके लेकर लग गर्मी में परेशान है। इस समस्या को लेकर परियोजना के प्रबंधन से कई बार वार्ता कर हल करने का प्रयास किया गया लेकिन प्रबंधन ने इस मामले को गंभीरता से नहीं लिया।उन्होंने ने कहा कि यहां से सीसीएल कोयला उत्पादन कर रहा है और यहां के लोगों को सुख सुविधा देने में आना कानी कर रही है। सीसीएल प्रबंधन से यहां के लोग अपना हक व अधिकार की मांग कर रहे है।सीसीएल प्रबंधन जब तक कॉलोनी में पानी व बिजली मुहैया नहीं करती है, तो कोयला ट्रांसपोर्टिंग पूरी तरह से ठप रहेगी।उन्होंने ने कहा बंदी से हाने वाला नुकसान का जिम्मेवार सीसीएल प्रबंधन होगा। वही सीसीएल प्रबंधन व आंदोलन कारी के साथ धरना स्थल पर वार्ता हुई लेकिन संतोष जनक वार्ता नहीं हुआ जिसके लेकर आंदोजन जारी है।

बिहार के दो जिले से आये 40 मुखिया ने प्रखण्ड के पंचायतों का दौरा किया,जिला पंचायती राज पदाधिकारी व बीडीओ ने पंचायती राज विभाग के योजनाओं पर चर्चा की

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

चतरा : चतरा के सिमरिया में बिहार के अलवर व औरंगाबाद जिले से आये चिन्हित 40 मुखिया ने गुरुवार को प्रखण्ड के पंचायतों का दौरा किया। इस दौरान प्रखण्ड कार्यालय के सभागार कक्ष में जिला पंचायती राज पदाधिकारी कुमारी वेदवंती और बीडीओ चंद्र देव प्रसाद ने जबकि एदला व जांगी पंचायत में मुखिया ने भव्य स्वागत किया।पंचायती राज विभाग व अन्य योजनाओं के अभिसरण के द्वारा आय स्त्रोत सृजन के लिए निर्मित सरसो तेल निर्माण यूनिट एदला महिला आजीविका, मनरेगा पार्क कोरी जांगी, जेंडर रिसोर्स सेंटर कुट्टी बानासाडी आदि का दो जिलों के चिन्हित मुखिया का विजिट प्रस्तावित किया गया।प्रखण्ड कार्यालय में बीडीओ ने योजनाओं और विकास से सम्बंधित मुखियाओं से वार्ता की।

डायन बताकर वृद्ध की बेरहमी से हत्या, पत्नी ने छिपकर बचायी जान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : गुमला सदर थाना क्षेत्र के मुरकुंडा पंचायत अंतर्गत कोटेनगसेरा गांव में अंधविश्वास की एक भयावह घटना सामने आई है। डायन-बिसाही के आरोप में 65 वर्षीय पालु खड़िया की कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। आरोपितों ने उनकी पत्नी सुगी देवी को भी मार डालने की कोशिश की, लेकिन वह किसी तरह जान बचाकर भाग निकली और पूरी रात इधर-उधर छिपकर गुजारी। सुबह घर लौटने पर उसने अपने पति को मृत अवस्था में पाया। जानकारी के अनुसार, मृतक के पड़ोसी बहुरा उरांव के परिवार में कुछ समय से लोग बीमार चल रहे थे। बीमारी का कारण जानने के लिए उसने एक भगत को घर बुलाकर झाड़फूंक करवाई। आरोप है कि झाड़फूंक के दौरान भगत ने पालु खड़िया और उनकी पत्नी पर डायन-बिसाही कर परिवार को बीमार करने का आरोप लगाया। इसके बाद बहुरा उरांव ने दोनों पति-पत्नी को अपने घर बुलाया और उन पर डायन होने का आरोप लगाते हुए मारपीट शुरू कर दी। ग्रामीणों के मुताबिक मारपीट के दौरान पालु खड़िया को बुरी तरह पीटा गया। उन्हें दीवार पर पटक दिया गया, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट लगी और वे बेहोश होकर गिर पड़े। इस दौरान उनकी पत्नी की भी

पिटाई की गई। अपनी जान पर खतरा देखते हुए वह वहां से भाग निकली। आरोपितयो ने उसे पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह किसी तरह अंधेरे का फायदा उठाकर बच निकलने में सफल रही।बताया जाता है कि महिला के भाग जाने के बाद आरोपित गंभीर रूप से घायल पालु खड़िया को उनके घर लाकर बिस्तर पर छोड़ गए। रातभर इलाज नहीं मिलने के कारण उनकी मौत हो गई। वहीं उनकी पत्नी पूरी रात भय के साए में गांव के आसपास छिपी रही। सुबह घर पहुंचने पर उसने पति को मृत पाया और पड़ोसियों को इसकी सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एसआई विनय महतो के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से पूछताछ की। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है।घटना के बाद मुख्य आरोपित बहुरा उरांव गांव छोड़कर फरार हो गया है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस हृदयविदारक घटना के बाद कोटेनगसेरा गांव में भय और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। यह घटना एक बार फिर समाज में फैले अंधविश्वास और डायन-बिसाही जैसी कुप्रथाओं की भयावह सच्चाई को उजागर करती है, जिसमें बेगुनाह लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ रही है।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

भीषण गर्मी में राहत: डालसा ने राहगीरों के बीच बांटा ठंडा पेयजल व ओआरएस

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद: बढ़ते तापमान और लू के प्रकोप को देखते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के चेयरमैन सह प्रधान, जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर डालसा की ओर से गुरुवार को हीरापुर क्षेत्र स्थित हरिमंदिर के समीप राहत सेवा अभियान चलाया गया। इस दौरान राहगीरों, मजदूरों एवं स्थानीय लोगों के बीच ठंडा पेयजल तथा ओआरएस का वितरण किया गया।

अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने इस मौके पर कहा कि भीषण गर्मी और लू के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में शरीर में पानी और आवश्यक लवणों की कमी को दूर करने के लिए ओआरएस एवं शीतल पेयजल का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अत्यधिक गर्मी के दौरान आवश्यक सावधानी बरतने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने तथा अनावश्यक रूप से धूप में बाहर निकलने से बचने की अपील की गई।कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने इस पहल का लाभ उठाया और डालसा के इस मानवीय प्रयास की सराहना की। उपस्थित लोगों ने कहा कि गर्मी के इस कठिन दौर में इस प्रकार की सेवा गतिविधियां आमजन को राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।अवर न्यायाधीश सह सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि शहर वह विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसी तरह के जनसेवा कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोगों को गर्मी से राहत मिल सके.

कॉलेज स्तर से आम लोगों को जागरूक करने के लिए चलाया जायेगा अभियान : प्राचार्य

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : मैथन बीएसके कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रवीण सिंह प्रेस वार्ता कर कहा कि महाविद्यालय का मकसद सिर्फ विद्यार्थियों को शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान देना भी है। कॉलेज प्रशासन शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के साथ साथ सामाजिक और पर्यावरण मुद्दों पर भी काम करेगा। प्राचार्य ने बताया कि विस्थापन, प्लास्टिक पर प्रतिबंध, प्रदूषण नियंत्रण और ग्रीन ऑडिट जैसे विषयों पर कॉलेज स्तर से जागरूकता अभियान चलाने की योजना है। महाविद्यालय परिसर की सबसे बड़ी समस्या बाउंड्री वॉल की है, जिसके निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है।इसके लिए संबंधित विभागों से संपर्क कर समाधान निकाला जा रहा है।विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए मॉडर्न लाइब्रेरी, आधुनिक शैक्षणिक संसाधन और कौशल विकास कार्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है।कॉलेज की अन्य समस्याओं के समाधान के लिए भी प्रशासनिक स्तर पर पहल जारी है। डॉ. सिंह ने बताया कि उपायुक्त आदित्य रंजन का महाविद्यालय को पूरा सहयोग मिल रहा है।उनके सहयोग से लंबित समस्याओं के समाधान की उम्मीद है। कार्यभार संभालने के बाद लंबे समय से बंद पड़े सोलर सिस्टम को फिर से चालू कराया गया है। पूर्व से बंद बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली भी शुरू कर दी गई है, जिससे पारदर्शिता और अनुशासन बढ़ा है। छात्रों के लिए पहचान पत्र जारी करने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।घटते नामांकन को देखते हुए नामांकन बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।प्राचार्य ने कहा कि आने वाले दिनों मे पूर्ववर्ती छात्रों का महाविद्यालय में एक मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

बड़मुड़ी ओसीपी में बीसीकेयू के बैनर तले विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना शुरू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : इसीएल मुगमा क्षेत्र के बड़मुड़ी ओसीपी में बीसीकेयू के बैनर तले 22 सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना गुरुवार को शुरू किया गया।धरना में विधायक अरूप चटर्जी मुख्य रूप से उपस्थित थे। विधायक श्री चटर्जी ने कहा कि 22 सूत्री मांगों को लेकर 9 जून को धरना को लेकर मांग पत्र सौंपा गया था इसके बावजूद प्रबंधन की ओर से कोई पहल नहीं किया गया और अंततः श्रमिकों को धरना पर बैठना पड़ा। बताया कि श्रमिकों से जुड़े कई मुद्दे काफी लंबे समय से लंबित है जिसके कारण श्रमिकों में आक्रोश देखा जा रहा है।कहा कि प्रबंधन कोलियरी परिसर से उत्पादित कोयला, केबल तार, डीजल व मशीन की चोरी रोक पाने में विफल रहा है जिसके कारण कोलियरी को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। आर्थिक नुकसान के कारण उत्पादन भी प्रभावित हो रहा है।कहा कि कोलियरी परिसर में प्रकाश की व्यवस्था, उत्पादन बढ़ाने के लिए संसाधन उपलब्ध कराने व श्रमिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की जरूरत है।साथ ही श्रमिकों के लंबित एरियर, स्वास्थ्य व चिकित्सा सुविधाओं में सुधार की जरूरत है। जबतक प्रबंधन श्रमिकों की मांगों के प्रति सकारात्मक रवैया नहीं अपनाता है तबतक धरना जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि एरिया के सभी शाखा में आंदोलन के बाद भी स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो इसीएल मुख्यालय सकतो-ड़िया में विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा।मौके पर क्षेत्रीय सचिव रामजी यादव, रंजन सिंह, दिलीप सिंह सहित अन्य श्रमिक मौजूद थे।

चिरकुंडा के नप अध्यक्ष व उपाध्यक्ष ने तीन योजनाओं का किया शिलान्यास

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : चिरकुंडा नप के वार्ड 2 व 12 में तीन विकास योजनाओं का शिलान्यास अध्यक्ष सुनीता देवी, उपाध्यक्ष विजय कुमार यादव, पार्षद भारती कुमारी व अन्य ने संयुक्त रूप से किया।वार्ड 2 के मुंडा धौरा में नाली निर्माण व पेवर ब्लॉक बिछाने एवं वार्ड 12 के चपड़ा डंगाल में पेवर ब्लॉक बिछाने संबंधित योजनाओं का शिलान्यास किया गया। अध्यक्ष व उपाध्यक्ष ने कहा कि सभी वार्डों में विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने का काम किया जाएगा। कहा कि संवेदक प्राक्कलन के अनुसार कार्य करें और गुणवत्ता से किसी तरह का कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

बिजली बहाली व विस्थापन पर बनी सहमति, 28 घंटे बाद खत्म हुआ चक्का जाम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : जिले के बरोरा मंडल केंदुआडीह बस्ती में बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग को लेकर ग्रामीणों का चक्काजाम आंदोलन गुरुवार को 28 घंटे बाद समाप्त हो गया। डुमरा गेस्ट हाउस में प्रशासन, बीसीसीएल प्रबंधन और ग्रामीणों के बीच हुई त्रिपक्षीय वार्ता में एक सप्ताह के भीतर 13 रैयतों के विस्थापन की प्रक्रिया शुरू करने पर सहमति बनी, जिसके बाद आंदोलन वापस ले लिया गया।वार्ता में बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो, अंचलाधिकारी गिरिजा नंद किशकु तथा डीएसपी अजीत कुमार विमल मौजूद थे। सहमति के बाद एएमपी कोलियरी में उत्पादन और कोयला ट्रांसपोर्टिंग फिर से शुरू हो गयी। वहीं, मंडल केंदुआडीह बस्ती में 13 दिनों बाद बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गयी, जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।बैठक में विधायक शत्रुघ्न महतो ने कहा कि क्षेत्र में खनन कार्य और लोगों की सुरक्षा दोनों महत्वपूर्ण हैं।

बीसीसीएल के निदेशक तकनीकी पद के लिए 9 अफसर करेंगे दावेदारी पेश

23 जून को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए एक इंटरव्यू में होगा फैसला

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद, : भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के बहुप्रतीक्षित निदेशक पद पर नियुक्ति की प्रक्रिया निर्णायक चरण में पहुंच गई है। सार्वजनिक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) ने इस पद के लिए 23 जून को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए साक्षात्कार आयोजित करने का फैसला लिया है। इस इंटरव्यू में कोल इंडिया लिमिटेड और उसकी अनुषंगी कंपनियों के कुल नौ वरिष्ठ अधिकारी अपनी दावेदारी पेश करेंगे।

इस चयन प्रक्रिया में बीसीसीएल के दो महाप्रबंधक (माइनिंग) भी शामिल हैं। जबकि नौ अधिकारियों ने छह बीसीसीएल में काम चुके है। निदेशक (तकनीकी) का पद लंबे समय से खाली होने से इस नियुक्ति पर कोयला उद्योग की विशेष नजर है। बीसीसीएल के तकनीकी निदेशक मनोज कुमार अग्रवाल के सीएमडी बनने के बाद एक सितंबर से यह पद खाली है। इस पद पर सीएमपीडीआइ के निदेशक तकनीकी राजीव कुमार सिन्हा के पदभार में कार्य संचालित हो रहा है।

निदेशक (तकनीकी) पद के लिए जिन अधिकारियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया है, उनमें आनंद (कार्यकारी निदेशक, उत्पादन, सीआईएल), अंजनी कुमार (कार्यकारी निदेशक, कॉन्ट्रैक्ट्स, सीआईएल), कल्याणजी प्रसाद (महाप्रबंधक, माइनिंग, सीसीएल), कमल किशोर झा (महाप्रबंधक, माइनिंग, बीसीसीएल), संजय कुमार साहू (महाप्रबंधक, माइनिंग, एमसीएल), सुधाकर प्रसाद (महाप्रबंधक, माइनिंग, बीसीसीएल), पीयूष किशोर (महाप्रबंधक, माइनिंग, एसईसीएल), रंजय सिन्हा (महाप्रबंधक, माइनिंग, सीसीएल) तथा संजीव कुमार (महाप्रबंधक, माइनिंग, एनसीएल) शामिल हैं।

पीईएसबी ने सभी उम्मीदवारों को 19 जून तक अपनी प्रमुख उपलब्धियों और बीसीसीएल के भविष्य के लिए विजन पर आधारित चार से छह स्लाइड का प्रस्तुतीकरण सॉफ्ट कॉपी में भेजने का निर्देश दिया है। इंटरव्यू में इन्हीं बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी और उम्मीदवारों की नेतृत्व क्षमता और रणनीतिक सोच का आकलन किया जाएगा।

चयन बोर्ड ने साफ किया है कि वीडियो कान्फ्रेंसिंग के लिए आवश्यक तकनीकी व्यवस्था उम्मीदवारों को स्वयं सुनिश्चित करनी होगी। नेटवर्क या तकनीकी बाधा के कारण इंटरव्यू में शामिल नहीं हो पाने की स्थिति में इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित उम्मीदवार की होगी। सभी प्रतिभागियों को निर्धारित समय से कम से कम 30 मिनट पहले तैयार रहने को कहा है।

लाइव म्यूजिक विथ लाइव पेंटिंग थीम पर कैनवस पेंटिंग वर्कशॉप का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। हॉबी सेंटर और धनबाद क्लब की ओर से छठा कैनवस पेंटिंग वर्कशॉप का आयोजन लाइव म्यूजिक विथ लाइव पेंटिंग थीम पर किया गया। पेंटिंग आर्टिस्ट शिव शंकर धर व जोइता व सोहनी धर के मार्गदर्शन में गायिका बरनाली मुखर्जी और सुमंत बनर्जी की लाइव सिंगिंग के आनंदमयी,संगीतमय माहौल में प्रशिक्षुओं ने पेंटिंग की। इसमें 10 चयनित प्रशिक्षु पेंटिंग कलाकार ममता चौधरी, गुरप्रीत लीट, शुभा किरण, अर्चना सिंह, निकिता सिंह जालपा सांगवी, अद्विका, शांभवी, दीप्ती ने एक से बढ़कर एक आकर्षक,दर्शनीय व सटीक चित्रकारी प्रस्तुत की। वर्कशॉप के एक प्रतिभागी ने कहा संगीत के माहौल में चित्रकारी करना एक बहुत ही मनोरंजन व सुखद माहौल था। इस वर्कशाप के सभी पेंटिंग कलाकारों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर शिव शंकर धर ने कहा लाइव म्यूजिक विथ लाइव पेंटिंग थीम पर एक रिलैक्सिंग माहौल में पेंटिंग वर्कशॉप किया गया। इस थीम- आधारित कार्यशाला में एक खास विषय जैसे लैंडस्केप, फूल, सीनरी या मून मैजिक पर ध्यान केंद्रित किया जिसमें ऐक्रेलिक का उपयोग कर बहुत ही बेहतरीन चित्रकारी की गई।वर्कशॉप में प्रतिभागी ममता चौधरी ने बताया कि वह हॉबी सेंटर में पेंटिंग सीख रही है और वे चित्रकला में परिपक्व हो चुकी लेकिन चित्रकला में इतनी गहराई है कि वह रोज कुछ ना कुछ चित्रकला की बारीकियां को विशेषज्ञ प्रख्यात पेंटिंग आर्टिस्ट शिव शंकर धर से सिखती है। घरेलू एवं कामकाजी महिलाओं के संदर्भ में कहा कि उनका कैनवस पेंटिंग वर्कशॉप में भाग लेना कला सीखने और अपने तनाव को कम करने का एक शानदार तरीका है। वर्कशॉप में आए धनबाद क्लब के सचिव अतुल डोकानिया ने शिव शंकर घर के मार्गदर्शन में बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई चित्रकारियों की काफी प्रशंसा की।

दो पत्नियों के रहते तीसरी शादी रचा रहा था दूल्हा, दूसरी पत्नी ने पुलिस बुलाकर रुकवाई शादी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद जिले के बाघमारा थाना क्षेत्र में बुधवार की देर रात उस समय भारी हंगामा खड़ा हो गया, जबे दो पत्नियों के जीवित रहते चोरी-छिपे तीसरी शादी करने जा रहे एक दूल्हे की दूसरी पत्नी ने कलई खोल दी।सूचना मिलते ही दूसरी पत्नी गिरिडीह से सीधे अपने ससुराल बाघमारा पहुंची और पुलिस की मदद से अपने पति के इस तीसरे विवाह को ऐन वक्त पर रुकवा दिया। इस हाई-वोल्टेज ड्रामे के बाद मामला थाने पहुंचा, जहां दोनों पक्षों के परिजनों के बीच घंटों तीखी बहसबाजी होती रही।गिरिडीह जिले के बरकट्टा थाना क्षेत्र (ग्राम मनकडीहा) निवासी मोहम्मद सुभान की पुत्री आसमीन प्रवीन ने बाघमारा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। लिखित शिकायत पर बाघमारा थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर मंजर अंसारी की होने वाली तीसरी शादी को रुकवा दिया। शिकायतें में पीडिता ने कहा है कि उनकी विवाह 20 जुलाई 2019 को बाघमारा थाना क्षेत्र के रथटांड अंसारी मुहल्ला निवासी जुम्मन मियां के पुत्र मंजर अंसारी के साथ हुआ था।शादी के समय वधु पक्ष ने अपनी हैसियत के अनुसार गृहस्थी का सारा जरूरी सामान व उपहार दिया था। शादी के एक साल बाद तक सब कुछ ठीक रहा। इसके बाद पति मंजर अंसारी, सास-ससुर और देवर सहित अन्य ससुराल वालों ने आसमीन के साथ मारपीट और प्रताड़ना शुरू कर दी।पंचायती में खुला पहली शादी का राज प्रताड़ना को लेकर जब कई बार सामाजिक पंचायती बुलाई गई, तब आसमीन को पता चला कि मंजर अंसारी ने अपनी पहली शादी की बात छुपाकर उससे झूठ बोलकर दूसरी शादी की थी।मंजर की पहली पत्नी शाहीन परवीन (ग्राम माधोपुर, बरही, जिला हजारीबाग) है, जो जीवित है। पहली पत्नी ने भी ससुराल वालों के खिलाफ हजारीबाग की अदालत में दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया हुआ है, जो वर्तमान में विचाराधीन है।आसमीन को सूचना मिली कि उसका पति मंजर अंसारी अब तीसरी शादी करने की तैयारी में है।वह बाघमारा थाना क्षेत्र के ही लुतीपहाड़ी निवासी कमल अंसारी की पुत्री खुशबू परवीन के साथ चोरी-छिपे निकाह करने जा रहा था।इस बात की जानकारी मिलते ही आसमीन बिना वक्त गंवाए हजारीबाग से सीधे बाघमारा पहुंची और मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और लिखित शिकायत के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अनुकंपा लाभार्थियों को नियोजन के बदले एकमुश्त पंद्रह लाख का चेक का किया गया वितरण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : डीवीसी मैथन प्रशासनिक भवन स्थित सम्मेलन कक्ष में अनुकंपा लाभार्थियों को नियोजन के बदले एकमुश्त 15 (पंद्रह) लाख रुपये की राशि के डमी चेक वितरण हेतु एक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसआर पांडा, सदस्य (तकनीकी), डीवीसी उपस्थित थे।समारोह के प्रारंभ में सुबीर कुमार साहा, परियोजना प्रधान द्वारा मुख्य अतिथि श्री पांडा को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत व सम्मान किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि व मंचासीन वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।इस अवसर पर मैथन परियोजना से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों से आए लाभार्थी व उनके परिजन उपस्थित थे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 34 (चौंतीस) अनुकंपा लाभार्थियों को नियोजन के बदले एकमुश्त 15 (पंद्रह) लाख रुपये के डमी चेक का वितरण रहा।मुख्य अतिथि एसआर पांडा, सदस्य (तकनीकी), डीवीसी तथा मंचासीन वरिष्ठ अधिकारियों व समिति के सदस्यों द्वारा लाभार्थियों को डमी चेक प्रदान किए गए।यह क्षण लाभार्थियों व उनके परिवारजनों के लिए भावनात्मक एवं उत्साहवर्धक रहा।मुख्य अतिथि श्री पांडा ने कहा कि डीवीसी सदैव अपने कर्मचारियों व उनके परिवारों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध रहा है। अनुकंपा के आधार पर प्रदान की जा रही यह एकमुश्त आर्थिक सहायता केवल वित्तीय सहयोग नहीं, बल्कि संगठन की मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक उत्तरदायित्व का सशक्त उदाहरण है। जिन लाभार्थियों को यह सहायता प्रदान की जा रही है, उनके जीवन में यह नई आशा, आत्मविश्वास और सम्मानजनक भविष्य के निर्माण का आधार बनेगी।डीवीसी का प्रयास है कि प्रभावित परिवारों को समयबद्ध व पारदर्शी ढंग से अधिकतम सुविधा उपलब्ध कराई जाए। परियोजना प्रधान श्री साहा ने कहा कि मैथन परियोजना परिवार के लिए आज का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण और संतोषप्रद है।संगठन का उद्देश्य केवल प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करना नहीं, बल्कि अपने कर्मचारियों और उनके आश्रितों के प्रति संवेदनशीलता व सहयोग की भावना को सुदृढ़ बनाए रखना भी है। यह योजना लाभार्थी परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करेगी। हम सभी अधिकारियों व कर्मचारियों के सहयोग से इस प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और लाभार्थी-केंद्रित बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।तापस राय, उप प्रबंधक (मानव संसाधन) ने कहा कि अनुकंपा लाभ योजना के सफल क्रियान्वयन में प्रशासन, मानव संसाधन विभाग तथा समिति के सदस्यों का समन्वित प्रयास रहा है। लाभार्थियों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो, इसके लिए सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित व पारदर्शी तरीके से संपन्न किया गया।समारोह केवल चेक वितरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि लाभार्थी परिवारों के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता, संवेदनशीलता और विश्वास का प्रतीक है। हमें प्रसन्नता है कि इस पहल के माध्यम से अनेक परिवारों को आर्थिक संबल प्राप्त हो रहा है।समारोह में वरिष्ठ अधिकारियों व कर्मचारियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में प्रबीर चांद, वरिष्ठ महाप्रबंधक (सिविल), शैलेश गुप्ता, वरिष्ठ महाप्रबंधक, धर्मदास त्रिपाठी, रबिन मंडल, रोशन लाकड़ा, सुबीर दास, सुखमय नायक, उप महाप्रबंधक (प्रशासन), चंदन कुमार, धीरज कुमार, संजय चौधरी, विकास कुमार, डॉ. कौशलेंद्र कुमार, तापस राय, रवि कुमार सिन्हा, उज्ज्वल बनर्जी, अनुप हेम्ब्रम सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी, लाभार्थी, परिवारजन, सहकर्मी व अन्य शामिल थे। लाभार्थियों को सुविधा उपलब्ध कराने व कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के सदस्यों विकास कुमार, चंदन कुमार, उज्ज्वल बनर्जी, अनुप हेम्ब्रम ने अपना योगदान दिया. धन्यवाद ज्ञापन सुखमय नायक ने किया।

श्री श्री विश्वनाथ महादेव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां पूरी, 15 को कलश यात्रा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : सहयोगी नगर सेक्टर 3 में नवनिर्मित श्री श्री विश्वनाथ महादेव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 15, 16 और 17 जून को तीन दिवसीय अनुष्ठान होगा। पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा रहेगा और इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के उमड़ने की उम्मीद है। उक्त बातें गुरुवार को मंदिर परिसर में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान मंदिर कमेटी के सदस्य उदय प्रताप सिंह ने कही। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ सोमवार, 15 जून की सुबह 07:00 बजे कलश यात्रा के साथ होगा। कलश यात्रा की समाप्ति के बाद प्राण प्रतिष्ठा से जुड़ी विशेष पूजा-अर्चना का विधान शुरू किया जाएगा। इसी दिन संध्याकाल में 'आरोही नाट्य मंच, पुटकी' के कलाकारों द्वारा ₹शिव आत्म लिंगम₹ नाटक का मंचन किया जाएगा। दूसरे

दिन यानी मंगलवार, 16 जून को वेदी पूजन, अन्नाधिवास (अन्न दिवस) और देवी-देवताओं का नगर भ्रमण कराया जाएगा। इसके बाद शाम को 'कला निकेतन, भूली' द्वारा ₹कृष्ण लीला₹ एवं ₹महारथी कर्ण₹ नाटक की प्रस्तुति दी जाएगी। अनुष्ठान के अंतिम दिन बुधवार, 17 जून को मुख्य आयोजन होगा, जिसमें वेदी पूजन के साथ सभी मूर्तियों की विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी और महायज्ञ की पूर्णाहुति होगी। इसके पश्चात विशाल महाप्रसाद (भंडारा) का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति ने बताया कि कार्यक्रम के अंत में कलाकारों को सम्मानित करने के लिए एक विशेष सम्मान समारोह एवं संध्या भजन का भी आयोजन रखा गया है। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति के मृत्युंजय तिवारी, केशव नायक, राजेश कुमार, निशांत कुमार, कुणाल पाल यादव, एस.एस.पी सिन्हा, पंकज कुमार सिंह, अंशु कुमार, पी.आर. महाली, पवन यादव, दीपक कुमार, हर्ष राज, हरी सिंह और उदय प्रताप सिंह सहित सभी सदस्य तन-मन से जुटे हुए हैं।

डीडीसी ने सड़क परियोजनाओं में तेजी लाने का दिया निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने पथ निर्माण विभाग की स्वीकृत और काम चल रही सड़क परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की। सड़क निर्माण में तेजी लाने तथा स्वीकृत योजनाओं को शुरू करने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान यह बात सामने आई कि भू- अर्जन की प्रक्रियाओं में हो रहे विलंब के कारण कई महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं की प्रगति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उप विकास आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को भू-अर्जन से जुड़ी सभी बाधाओं को आपसी समन्वय के साथ जल्द से जल्द दूर करने का निर्देश दिया। कहा कि इससे विकास कार्यों को गति दी जा सकेगी और योजनाएं समय पर पूरी हो सकेगी। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे इन परियोजनाओं की नियमित निगरानी करें ताकि आम जनता को जल्द से जल्द इन सड़कों का लाभ मिल सके।

धनबाद-गया रेलखंड पर दौड़ी कवच सुरक्षा ट्रेन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद।भारतीय रेलवे देश के सबसे व्यस्त रेल मार्गों में शामिल हावड़ा-नई दिल्ली रूट पर ट्रेन परिचालन को और सुरक्षित बनाने के लिए तेजी से काम हो रहा है। इसी कड़ी में धनबाद-गया रेलखंड के सरमाटांड़ से निमियाघाट तक 76 किलोमीटर सेक्शन में स्वदेशी ट्रेन सुरक्षा प्रणाली ₹कवच 4.0₹ लागू कर दी गई है। उक्त जानकारी धनबाद डीआरएम अखिलेश मिश्रा ने दी। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था के बाद इस खंड में ट्रेनें कवच सुरक्षा घेरे में संचालित होने लगी हैं। उन्होंने बताया कि अगले चरण में निमियाघाट से प्रधानखंता तक कवच प्रणाली स्थापित की जाएगी। सितंबर तक निमियाघाट से तेतुलमारी और अक्टूबर तक तेतुलमारी से धनबाद होते हुए प्रधानखंता तक कवच प्रोजेक्ट पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। रेलवे ने अपने नेटवर्क के तीन सेक्शनों में कुल 163 किलोमीटर पर कवच वर्जन 4.0 को चालू किया है। इनमें धनबाद मंडल का सरमाटांड़-निमियाघाट 76 किलोमीटर सेक्शन, डीडीयू मंडल का μलाईओवर केबिन-भभुआ रोड 43 किलोमीटर तथा सासाराम-फेसर 44 किलोमीटर सेक्शन शामिल हैं। कवच 4.0 एक अत्याधुनिक स्वदेशी ऑटोमेटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम है, जो सिग्नल पासिंग एट डेंजर यानी एसपीएडी की स्थिति में स्वतः सुरक्षा प्रदान करती है। यह आमने-सामने, पीछे से और साइड से होने वाली ट्रेन दुर्घटनाओं को रोकने में सक्षम है। साथ ही ओवरस्पीडिंग की लगातार निगरानी कर आवश्यकता पड़ने पर स्वतः ब्रेक भी लगा सकता है। माइक्रो प्रोसेसर, जीपीएस और रेडियो संचार तकनीक पर आधारित यह प्रणाली कम दृश्यता, कोहरे और प्रतिकूल मौसम में भी सुरक्षित ट्रेन संचालन सुनिश्चित करती है। इसके अलावा गलत दिशा में ट्रेन चलने, रिवर्स मूवमेंट और लेवल क्रॉसिंग गेट की स्थिति को लेकर भी लोको पायलट को स्वतः अलर्ट मिलता है। डीआरएम ने बताया कि कवच वर्जन 4.0 भारत की स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली का सबसे उन्नत संस्करण है। इसे परिचालन अनुभव और स्वतंत्र सुरक्षा मूल्यांकन के आधार पर लगातार तकनीकी रूप से विकसित किया गया है। आरडीएसओ द्वारा अनुमोदित यह प्रणाली भारतीय रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था को नई मजबूती प्रदान करेगी।

12-06-2026 T.P. Page 4_Layout 1 12-06-2026 07:01 Page 1

पेंशन घोटाला मामला में जिला प्रशासन की जांच तेज,एस आई टी टीम गठित,पेंशन घोटाले में दो कंप्यूटर ऑपरेटर गिरफ्तार, भेजे गए जेल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

साहिबगंज : साहिबगंज जिले के बोरियो और बरहेट प्रखंड में सामने आए कथित पेंशन घोटाला मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो कंप्यूटर ऑपरेटरों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों में बोरियो प्रखंड के शशि कुमार उर्फ मुन्ना और बरहेट प्रखंड के राहुल कुमार शामिल हैं।एसपी अमित कुमार सिंह ने बताया कि बोरियो बीडीओ और बरहेट बीडीओ से प्राप्त शिकायत के आधार पर दोनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी.बोरियो थाना कांड संख्या 48/26 और बरहेट थाना कांड संख्या 71/26 के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस अब दोनों आरोपियों से जुड़े दस्तावेजों और डिजिटल रिकॉर्ड की जांच कर रही है तथा जरूरत पड़ने पर पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी।पेंशन योजना में कथित अनियमितता की जांच के दौरान जिला प्रशासन ने बोरियो प्रखंड कार्यालय से बड़े पैमाने पर दस्तावेज और तकनीकी सामग्री जब्त की है।अधिकारियों ने लगभग 20 हजार आवेदन प्रपत्र, कंप्यूटर, भुगतान संबंधी रिकॉर्ड और अन्य महत्वपूर्ण कागजात अपने कब्जे में लिए हैं।जानकारी के अनुसार पूरी कार्रवाई प्रखंड कार्यालय के कर्मचारियों की मौजूदगी में की गई और रात करीब तीन बजे तक दस्तावेज जब्त करने का काम चलता रहा।प्रशासनिक टीम अब इन दस्तावेजों की जांच कर यह पता लगाने में जुटी है कि कथित फजीर्वाड़ा किस स्तर तक फैला हुआ है।कथित पेंशन घोटाले की जांच के बीच जिले के हजारों वृद्धा, विधवा और दिव्यांग पेंशन लाभुकों की चिंता बढ़ गई है। शिकायत मिलने के बाद जिला प्रशासन ने पेंशन भुगतान पर फिलहाल रोक लगा दी है। डीसी के निर्देश पर डीडीसी सतीश चन्द्र के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआ-ईटी) गठित किया गया है।जो पूरे मामले की पड़ताल कर रहा है। लाभुकों के बीच सबसे बड़ा सवाल यह है कि जांच पूरी होने तक उनका रुका हुआ पेंशन कब जारी होगा। वहीं स्थानीय लोगों ने मांग की है कि केवल बोरियो और बरहेट ही नहीं, बल्कि जिले के सभी नौ प्रखंडों में पेंशन योजनाओं की जांच कराई जाए

ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता सामने आ सके।बोरियो और बरहेट प्रखंड में सामने आए कथित पेंशन घोटाले के बाद जिला प्रशासन ने जांच का दायरा बढ़ाते हुए पूरे जिले में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की समीक्षा शुरू कर दी है। विभागीय सूत्रों के अनुसार सभी प्रखंडों में पेंशन लाभुकों के रिकॉर्ड, आवेदन पत्र, बैंक खातों और भुगतान संबंधी दस्तावेजों की जांच की जा रही है।जांच के दौरान लाभुकों के कागजात का मिलान किया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर लाभुकों की सशरीर उपस्थिति के माध्यम से भी सत्यापन कराया जा सकता है।सूत्रों की मानें तो जांच टीम यह पता लगाने में जुटी है कि कहीं फर्जी लाभुकों के नाम पर पेंशन राशि का भुगतान तो नहीं किया गया।प्रशासन का उद्देश्य वास्तविक लाभुकों की पहचान सुनिश्चित करना और सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता बनाए रखना है।बोरियो और बरहेट में सामने आए मामले के बाद अन्य प्रखंडों में भी अभिलेखों की बारीकी से जांच की जा रही है।पेंशन घोटाले में दो कंप्यूटर ऑपरेटरों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब मामले की गहराई तक पहुंचने की तैयारी में है।सूत्रों के अनुसार बोरियो के शशि कुमार उर्फ मुन्ना और बरहेट के राहुल कुमार को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद पुलिस उनके रिमांड की प्रक्रिया अपना सकती है।रिमांड के दौरान पूछताछ में मामले से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका सामने आने की संभावना जताई जा रही है।पुलिस विभाग के सूत्रों का कहना है कि जांच एजेंसियों की नजर अब केवल गिरफ्तार आरोपितों तक सीमित नहीं है।जब्त किए गए कंप्यूटर, दस्तावेज, आवेदन पत्र और अन्य रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर कई और लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।अधिकारियों का मानना है कि मामले की तह तक पहुंचने के लिए तकनीकी और वित्तीय दोनों पहलुओं की गहन जांच जरूरी है।पुलिस का दावा है कि दोषी चाहे किसी भी स्तर का हो, उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

शतप्रतिशत बिजली बिलिंग सुनिश्चित करें पदाधिकारी : सीएमडी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड ऊर्जा विकास निगम के सीएमडी के श्रीनिवासन ने जून माह में शत प्रतिशत बिलिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इसके लिए उन्होंने निदेशक (वितरण एवं परियोजना), निदेशक (वाणिज्य), कार्यकारी निदेशक (वाणिज्य एवं राजस्व), महाप्रबंधक (राजस्व) के साथ बैठक कर शत-प्रतिशत बिलिंग पूरा करने की योजना तैयार करने एवं समस्त एरिया बोर्ड में इसे लागू करने का निर्देश दिया है।इसके बाद राज्य के सभी अभियंताओं के साथ वर्चुअल मीटिंग किया गया।इस मीटिंग में फील्ड के सभी महाप्रबंधक, उप-महाप्रबंधक, विद्युत कार्यपालक अभियंता एवं बिलिंग एजेंसी के पदाधिकारी शामिल थे।

बैठक मे क्षेत्र के पदाधिकारियों द्वारा जानकारी दी गयी कि बिलिंग एजेंसियां समय पर ऊर्जा मित्रों को वेतन का भुगतान नहीं किया जाता है, जिस कारण ऊर्जा मित्रों द्वारा बिलिंग कार्य में अभिरुचि नहीं ली जाती है।इस संदर्भ में बिलिंग एजेंसी को स्पष्ट हिदायत दी गयी कि कि ऊर्जा मित्रों के सभी बकाये राशि का एक सप्ताह के अंदर भुगतान करें।साथ ही वैसे ऊर्जा मित्र जिनके द्वारा बिजली बिल निकालने अथवा बिल बनाने के नाम पर गड़बड़ी/ठगी करते हैं, उन्हे चिन्हित कर अविलंब कार्य से विमुक्त करते हुए नियम संगत कार्रवाई करें। इसके अलावा बिलिंग एजेंसी को निर्देश दिया गया कि प्रत्येक माह के 15 तारीख तक अपना बिल विभाग में जमा करना सुनिश्चित करें, ताकि बिलिंग एजेंसी को विभाग द्वारा समय पर भुगतान किया जा सके।

टाटा मोटर्स में 13 जून को ब्लॉक क्लोजर, लगातार दो दिनों तक बंद रहेगा प्लांट प्रबंधन ने जारी किया सर्कुलर, 15 जून से शुरू होगा कामकाज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : टाटा मोटर्स जमशेदपुर प्लांट में प्रबंधन ने 13 जून (शनिवार) को एक दिन का ब्लॉक क्लोजर घोषित किया है।इसके अगले दिन यानी 14 जून को रविवार का साप्ताहिक अवकाश होने के कारण प्लांट में कामकाज सीधे 15 जून सोमवार को शुरू होगा। गुरुवार को प्रबंधन ने इस संबंध में सर्कुलर जारी किया।ब्लॉक क्लोजर से प्रभावित कर्मचारियों को इस दिन के लिए अपनी प्रिविलेज लीव (पीएल) या कैजुअल लीव (सीएल) का 50% उपयोग करना होगा। शेष 50% अवधि के लिए कंपनी की ओर से सामान्य वेतन का भुगतान किया जायेगा। जिन कर्मचारियों की सेवाओं की आवश्यकता ब्लॉक क्लोजर के दौरान होगी।उन्हें संबंधित विभाग प्रमुख की ओर से अलग से सूचित किया जायेगा। ऐसे कर्मचारियों को सामान्य कार्य दिवस की तरह अपनी ड्यूटी पर उपस्थित होना होगा। यदि कोई कर्मचारी जिसे कार्य के लिए विशेष रूप से बुलाया गया है और ड्यूटी पर अनुपस्थित रहता है, तो उसे उस दिन के लिए अपनी पूरी छुट्टी का उपयोग करना होगा। ब्लॉक क्लोजर के ठीक पहले या बाद में कर्मचारियों को किसी भी प्रकार की छुट्टी स्वीकृत नहीं की जायेगी।

मादक पदार्थों के खिलाफ जागरूकता अभियान तेज,डीसी ने नशा मुक्त जागरूकता रथ को किया रवाना

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिले में मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता अभियान को गति देते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने गुरुवार को समाहरणालय परिसर से नशा मुक्त जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह जागरूकता रथ जिले के विभिन्न गांवों एवं प्रखंडों में पहुंचकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करेगा।मौके पर सिविल सर्जन, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक समेत अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।इस दौरान उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने तथा इसके अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही समाज, विशेषकर किशोर एवं युवा वर्ग को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा राज्यव्यापी अभियान चलाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि अभियान को प्रभावी बनाने के लिए सभी विभागों एवं एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। जिला प्रशासन के साथ-साथ गैर सरकारी संस्थानों, जेएसएलपीएस की महिला समूहों, पंचायती राज संस्थाओं एवं शैक्षणिक संस्थानों को भी अपने स्तर से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया गया है।उपायुक्त ने बताया कि जागरूकता रथ के माध्यम से गांव-गांव तक नशा मुक्ति का संदेश पहुंचाया जायेगा। इसके तहत जिले एवं प्रखंड स्तर पर कार्यशालाएं, बाजार-हाट में नुक्कड़ नाटक, विद्यालयों में क्विज एवं निबंध प्रतियोगिता, प्रभात फेरी, शपथ ग्रहण कार्यक्रम समेत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। उन्होंने आमजनों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

घर के सामने भालू ने किया हमला,14 वर्षीय किशोर घायल

लोहरदगा : किस्को प्रखंड की देवदरिया पंचायत अंतर्गत बरपानी पंचपड़वा गांव में घर के सामने मौजूद 14 वर्षीय किशोर पर भालू ने हमला कर दिया।घायल किशोर की पहचान मंगा मुंडा, पिता दीना मुंडा के रूप में हुई है।परिजनों के अनुसार मंगा घर के सामने था, तभी अचानक भालू ने उस पर हमला कर दिया।घटना के बाद परिजन घायल को तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खरचा ले गए,जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किस्को रेफर कर दिया गया।सीएचसी किस्को में डॉक्टरों की टीम द्वारा किशोर का इलाज किया गया।ग्रामीणों ने बताया कि किस्को व पेशरार प्रखंड क्षेत्र में भालू के हमले लगातार बढ़ रहे हैं।

मादक पदार्थों के विरुद्ध राज्यव्यापी अभियान को लेकर शिक्षकों का प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : 15 जून से 26 जून तक पूरे राज्य में निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाये जाने वाले राज्यव्यापी अभियान को लेकर गुरुवार को मेदिनीनगर के टाउन हॉल में शिक्षा विभाग की ओर से शिक्षकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, जिला शिक्षा पदाधिकारी सौरभ कुमार एवं जिला शिक्षा अधीक्षक संदीप कुमार,एडीपीओ अम्बुजया पांडेय ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि नशा से खराब कुछ और नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि युवा वर्ग तेजी से नशे की चपेट में आ रहा है और अब इसका प्रभाव शिक्षण संस्थानों तक भी पहुंच चुका है। ऐसे में विद्यालयों को नशा मुक्त बनाये रखने में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।उन्होंने कहा कि शिक्षकों की जिम्मेदारी केवल विद्यालय तक

सीमित नहीं है, बल्कि समाज को भी नशे के दुष्प्रभाव से बचाने की जिम्मेदारी उन पर है। उन्होंने सभी शिक्षकों से अपने-अपने विद्यालयों में मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले नुकसान के संबंध में व्यापक जागरूकता अभियान चलाने एवं विद्यार्थियों के बीच लगातार जागरूकता संदेश देने का आह्वान किया।उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि विद्यालयों में मानव श्रृंखला, पेंटिंग प्रतियोगिता, स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता सहित विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियान संचालित किया जाये। उन्होंने कहा कि नशा एक दलदल के समान है और हमारे युवा एवं स्कूली बच्चे इस दलदल में न फंसे, यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।कार्यशाला के दौरान 15 जून से 26 जून तक संचालित होने वाले अभियान के अंतर्गत विभिन्न तिथियों में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों, संबंधित विद्यालयों तथा शिक्षकों की भूमिका की विस्तृत जानकारी भी दी गयी। साथ ही अभियान को प्रभावी एवं सफल बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये गये साथ ही मौके पर उपस्थित सभी लोगों को नशा मुक्ति को लेकर शपथ भी दिलाया गया।मौके पर उपरोक्त पदाधिकारियों के अलावा जिले के विभिन्न स्तर के विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक एवं शिक्षा विभाग के अन्य कर्मी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

राशन कार्ड की गलती बनी इलाज में बाधा, प्रखंड मुख्यालय पर धरने पर बैठे दुर्योधन गोराई

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : घाटशिला प्रखंड की कालाचिती पंचायत के चापड़ी गांव निवासी दुर्योधन गोराई गुरुवार को अपनी पीड़ा लेकर घाटशिला प्रखंड मुख्यालय पहुंचे और राशन कार्ड में नाम सुधार की मांग को लेकर मुख्यालय के गेट के समक्ष धरने पर बैठ गये।असाध्य बीमारी से पीड़ित दुर्योधन ने हाथों में तख्ती लेकर प्रशासन से गुहार लगाई कि उन्हें जीवित रहते इलाज की सुविधा उपलब्ध करायी जाये। दुर्योधन गोराई ने बताया कि आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र में उनका नाम दुर्योधन गोराई सही दर्ज है, लेकिन राशन कार्ड में सुदर्शन गोराई लिखा हुआ है।जो नाम गलत होने के कारण आयुष्मान कार्ड नहीं बन पा रहा है। इससे सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी हो रही है।

उनके पुत्र संजय गोरीई ने बताया कि परिवार पिछले छह माह से नाम सुधार के लिए प्रखंड आपूर्ति कार्यालय का चक्कर लगा रहा है, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार होने के कारण बेहतर इलाज कराना मुश्किल हो रहा है। कई अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड की मांग की जा रही है, लेकिन दस्तावेजी त्रुटि के कारण कार्ड नहीं बन पा रहा है।

घाटशिला प्रखंड आपूर्ति कार्यालय से इस संबंध में अभी तक कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। हालांकि यदि मामला किसी असाध्य रोग से पीड़ित व्यक्ति से जुड़ा है, तो इसे गंभीरता से देखते हुए आवश्यक जानकारी प्राप्त कर उचित कार्रवाई की जायेगी।जिला व प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी जुल्फिकार अंसारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने कहा की राशन कार्ड में नाम सुधार से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज जिला कार्यालय को भेज दिये गये हैं। देखते है, क्या होता है।

सड़क हादसे में एक ही परिवार के 5 की मौत, 3 बच्चे शामिल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सिमडेगा : तेज रफ्तार का कहर एक बार फिर सामने आया है। कोलेबिरा थाना क्षेत्र के अघरमा के निकट मंगलवार को हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में तीन बच्चे, एक महिला और एक पुरुष शामिल हैं।जानकारी के अनुसार एक ही परिवार के 9 लोग स्कॉर्पियो में सवार होकर कहीं जा रहे थे। इसी क्रम में कोलेबिरा थाना क्षेत्र के अघरमा के निकट तेज गति से जा रही स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे एक पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए।हादसे में एक ही परिवार के तीन बच्चे, एक महिला और एक पुरुष की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना में शामिल चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।एसडीपीओ धर्मदेव पासवान ने घटना की पुष्टि करते हुए इसे अत्यंत ही दुःखद घटना बताया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।इस हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे तेज गति से वाहन न चलाएं और यातायात नियमों का पालन करें।

किरीबुरु में ड्रग इंस्पेक्टर का औचक निरीक्षण, एक दवा दुकान में मिली अनियमितता

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : किरीबुरु में गुरुवार को ड्रग इंस्पेक्टर ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम और दवा दुकानों में नियमों के अनुपालन की जांच के लिए तीन खुदरा मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एक दुकान में गंभीर अनियमितता सामने आई, जहां लाइसेंसधारी सक्षम व्यक्ति अनुपस्थित पाया गया तथा अनिवार्य अनुसूची एच-1 रजिस्टर उपलब्ध नहीं था। इस मामले में संबंधित दुकान का लाइसेंस औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम के तहत अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा निलंबित किया जा सकता है। जांच के दौरान सभी दुकानों में खरीद,

बिक्री और स्टॉक बैलेंस के अभिलेखों का सत्यापन किया गया, जो सही पाए गए। एक दुकान में नींद की गोलियां उपलब्ध थीं, लेकिन उनकी बिक्री सेल अस्पताल, किरीबुरु के चिकित्सक द्वारा जारी पर्ची के आधार पर की जा रही थी और उसका रिकॉर्ड भी संतोषजनक मिला। ड्रग इंस्पेक्टर ने दवा दुकानों में साफ-सफाई की कमी पर नाराजगी जताते हुए परिसर को स्वच्छ रखने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही सभी दुकानों को ढक्कनयुक्त कूड़ेदान रखने और किसी भी प्रकार की गंदगी से बचाव सुनिश्चित करने को कहा गया। अग्नि सुरक्षा के मद्देनजर केवल एक दुकान में अग्निशामक यंत्र पाया गया, जबकि अन्य दुकानों को भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तत्काल अग्निशामक यंत्र लगाने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान दुकानों में सीसीटीवी कैमरे लगे मिले, लेकिन संदिग्ध गतिविधियों की बेहतर निगरानी के लिए कैमरों का रुख दुकान के सामने की ओर रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी दवा विक्रेताओं को केवल वैध डॉक्टर के पर्चे पर ही दवाओं की बिक्री करने की सख्त हिदायत दी गई। जांच के दौरान नशीली दवाओं के दुरुपयोग से संबंधित कोई शिकायत या संदिग्ध गतिविधि सामने नहीं आई।

स्वास्थ्य व्यवस्था को मिलेगी नयी रफ्तार, डीसी ने तय की जवाबदेही, टीकाकरण, कुपोषण प्रबंधन और संस्थागत प्रसव की समीक्षा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को धरातल पर प्रभावी बनाने की कवायद तेज हो गयी है।गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में डीसी राजीव रंजन ने अधिकारियों को मिशन मोड में काम करने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ कागजों तक सीमित न रहे। बल्कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के हर जरूरतमंद तक इसकी पहुंच सुनिश्चित हो।डीसी ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि स्वास्थ्य विभाग की सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही या जन-शिकायतों के प्रति उदासीनता स्वीकार्य नहीं होगी।लंबित शिकायतों का निपटारा तय समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ करना अनिवार्य है। बैठक में डीडीसी नागेंद्र पासवान, सिविल सर्जन डॉ साहिर पाल, डॉ. मृत्युंजय धावड़िया के साथ सभी प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी, बीपीएम और स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम मौजूद थी।टीकाकरण और प्रसव सेवाओं की समीक्षा करते हुए डीसी ने कहा कि स्वास्थ्य उपकेंद्रों और आंगनबाड़ी केंद्रों में कर्मियों की उपस्थिति अनिवार्य है।आरआई (रूटीन इम्यूनाइजेशन) सत्रों के दौरान वेरिफिकेशन सुनिश्चित करें और छूटे हुए बच्चों व परिवारों को

चिह्नित कर टीका लगवाये। कोई भी परिवार टीकाकरण से छूट न जाये। डीसी ने राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस को लेकर बहरागोड़ा, चाकुलिया, धालभूमगढ़ एवं डुमरिया जैसे कम उपलब्धि वाले प्रखंडों में विशेष जागरूकता-सह-सक्रियता अभियान चलाने का निर्देश दिया।एमटीसी (माल न्यूट्रिशन ट्रीटमेंट सेंटर) की समीक्षा के दौरान डीसी ने बहरागोड़ा, घाटशिला, मुसाबनी, पोटका एवं टेल्को के केंद्रों में बेड ऑक्यूपेंसी (उपलब्धता) बढ़ाने के निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी सेविका, सहिया एवं स्वास्थ्य कर्मियों के बीच बेहतर समन्वय बनाकर कुपोषित बच्चों की पहचान, रेफरल और उपचार सुनिश्चित किया जाये। एक भी कुपोषित बच्चा उपचार से वंचित नहीं रहे।डेंगू, मलेरिया, टीबी, कुष्ठ उन्मूलन और एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत सुदूर क्षेत्रों में जांच सुविधाओं को सुदृढ़ करने का निर्देश दिया।डीसी ने सदर अस्पताल और घाटशिला अनुमंडल अस्पताल में डायलिसिस सेवाओं की निरंतरता बनाये रखने के लिए मशीनों की तत्काल मरम्मत का आदेश दिया गया।साथ ही प्रोजेक्ट उल्लास के तहत मिर्गी मरीजों के नियमित फॉलोअप के लिए शिविर लगाने को कहा गया।

संक्षिप्त खबरें

गया जंक्शन पर तीन नाबालिगों को किया गया रेस्क्यू

गया जी :पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर मिडिल फुट ओवरब्रिज के नीचे गुरूवार को तीन नाबालिग लड़के अकेले और गुमसुम अवस्था में बैठे मिले। उनके साथ कोई अभिभावक नहीं होने की सूचना मिलने पर आरपीएफ)ल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीनों बच्चों से पूछताछ की। पूछताछ में उन्होंने अपना पता मुफस्सिल थाना क्षेत्र, जिला नवादा बताया। बच्चों ने बताया कि वे नवादा के अमीपुर स्थित रामराज इंग्लिश स्कूल के छात्र हैं और हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करते हैं। उन्होंने बताया कि वे सुबह करीब चार बजे हॉस्टल से भागकर ट्रेन से गया जंक्शन पहुंच गए थे। मानव तस्करी अथवा किसी अन्य अनहोनी की आशंका को देखते हुए आरपीएफ ने एहतियातन तीनों नाबालिगों को रेस्क्यू कर पोस्ट पर लाया जहां उन्हें बिस्किट और पानी उपलब्ध कराया गया। आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद तीनों बच्चों को सुरक्षित रूप से चाइल्ड हेल्पलाइन गया को सुपुर्द कर दिया गया।

ग्रामीण डाक जीवन बीमा से कम प्रीमियम, अधिक बोनस का लाभ

प्रवर डाक अधीक्षक अंशुमान ने अपने संबोधन में कहा

गया जी :डाक विभाग के गया प्रमंडल की ओर से डाक जीवन बीमा (पीएलए) एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा (आरपीएलाई) को बढ़ावा देने पर जोर दिया। विशेष अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को कम प्रीमियम और अधिक बोनस वाली सरकारी बीमा योजनाओं से जोड़ना है। इसके तहत गया जिले सहित पूरे प्रमंडल के सभी डाकघरों में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे और इच्छुक लोगों का ऑन-द-स्पॉट नामांकन भी किया गया।

प्रवर डाक अधीक्षक अंशुमन ने बताया कि डाक जीवन बीमा और ग्रामीण डाक जीवन बीमा देश की सबसे पुरानी और भरोसेमंद बीमा योजनाओं में शामिल हैं। इन योजनाओं में कम प्रीमियम पर बेहतर बोनस और परिवार के लिए व्यापक आर्थिक सुरक्षा का लाभ मिलता है। उन्होंने लोगों से इस अभियान का लाभ उठाकर अपने और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित बनाने की अपील की।

यूपीआई और नेट बैंकिंग से घर बैठे जमा कर सकेंगे प्रीमियम

बताया गया कि डाक विभाग ने बीमा प्रीमियम भुगतान की प्रक्रिया को भी सरल बना दिया है। अब ग्राहक यूपीआई, नेट बैंकिंग और एनएसीएच जैसी डिजिटल सुविधाओं के माध्यम से आसानी से प्रीमियम जमा कर सकते हैं। इससे बार-बार डाकघर जाने की आवश्यकता नहीं होगी और भुगतान प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक बनेगी।

महालॉगिन डे के अवसर पर गया प्रमंडल के सभी डाकघरों में अधिकारियों और कर्मचारियों की विशेष टीम तैनात रही जो लोगों को योजनाओं की पूरी जानकारी देने के साथ पॉलिसी लेने की प्रक्रिया की भी जानकारी उपलब्ध कराया। डाक विभाग ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे अपने नजदीकी डाकघर पहुंचकर इन योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें और बीमा सुरक्षा का लाभ उठाएं।

बिहार के कुमारबाग में 120.74 करोड़ के निवेश से स्थापित होगा अत्याधुनिक कम्प्रेंसड बायोगैस प्लांट

पटना, (एजेंसी) : बिहार में हरित ऊर्जा एवं सतत औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के तहत मेसर्स भारत जीपीएस बायोएनर्जी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा औद्योगिक क्षेत्र कुमारबाग, पश्चिम चंपारण में अत्याधुनिक कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट स्थापित किया जाएगा। करीब 120.74 करोड़ के निवेश से विकसित होने वाली यह परियोजना राज्य में स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ-साथ औद्योगिक विकास एवं स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्रदान करेगी। प्रस्तावित परियोजना लगभग 15 एकड़ भूमि पर स्थापित की जाएगी। यह इकाई कृषि एवं जैविक अपशिष्टों के वैज्ञानिक उपयोग के माध्यम से स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन करेगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा को भी बढ़ावा मिलेगा। परियोजना के माध्यम से लगभग 370 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने का अनुमान है, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं कौशल विकास के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि बिहार सरकार हरित ऊर्जा एवं पर्यावरण-अनुकूल उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सीबीजी जैसी परियोजनाएं राज्य में सतत विकास, स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन तथा रोजगार सृजन के नए आयाम स्थापित करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार को निवेश, नवाचार एवं हरित औद्योगिक विकास का अग्रणी केंद्र बनाने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है।

उद्योग विभाग के सचिव सह प्रबंध निदेशक, बियाडा एवं आएडा, कुंदन कुमार ने कहा कि बिहार में निवेशकों को बेहतर आधारभूत संरचना, पारदर्शी प्रक्रियाएं एवं निवेशक-अनुकूल नीतियां उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हरित ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे निवेश न केवल राज्य की औद्योगिक प्रगति को गति देंगे, बल्कि पर्यावरणीय स्थिरता एवं स्थानीय रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

वीरपुर में बाइक लूटकांड का एक और आरोपी गिरफ्तार, घटना में इस्तेमाल बाइक भी बरामद

सुपौल, (एजेंसी) : जिले के वीरपुर थाना क्षेत्र में बीते 29 मई को हुई बाइक लूट की वारदात के मामले में पुलिस को एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली है। गुरुवार को कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मामले के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही लूट की घटना में इस्तेमाल की गई एक बाइक भी बरामद की गई है।

थानाध्यक्ष ने बताया कि कांड संख्या 84/26 के तहत मुजफ्फरा गांव निवासी साजिद अली के 19 वर्षीय पुत्र इब्राहिम अंसारी उर्फ नुनु को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उसे वीरपुर-कोरिया मार्ग पर स्थित मंठ के समीप बीच सड़क से दबोचा। पुलिस के अनुसार, आरोपी की गिरफ्तारी के साथ ही वारदात में प्रयुक्त एक बाइक भी जब्त कर ली गई है। मामले की जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान की गई थी, जिसके बाद लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

थानाध्यक्ष ने बताया कि इस मामले में इससे पहले भी दो आरोपियों को लूटी गई बाइक के साथ गिरफ्तार किया जा चुका है। शेष आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि अपराध में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और पूरे मामले की गहन जांच जारी है।

बाढ़ और वर्षाजनित आपदाओं से निपटने को प्रशासन अलर्ट, तैयारियों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: डीएम

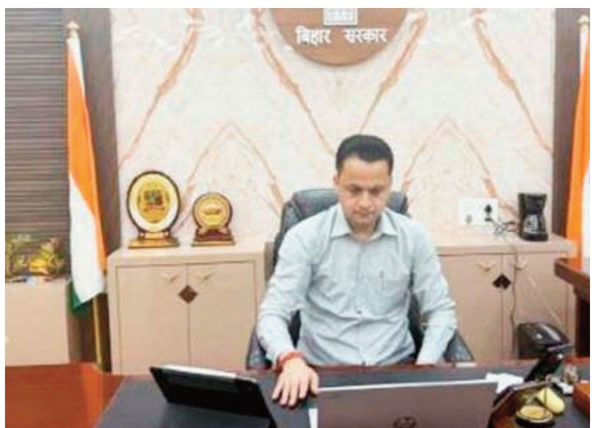

मधुबनी, (एजेंसी) : मानसून के दौरान संभावित बाढ़, जलजमाव और वर्षाजनित आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने स्पष्ट कहा है कि आपदा पीड़ितों तक त्वरित और समयबद्ध राहत पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। तटबंधों की निगरानी, जलनिकासी, चापाकलों की मरम्मत और राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गुरुवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में वर्चुअल माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में जिले के सभी अनुमंडल पदाधिकारी, संबंधित विभागों के वरीय अधिकारी एवं अभियंता शामिल हुए। बैठक में संभावित बाढ़, अत्यधिक वर्षा से उत्पन्न जलजमाव, वर्षाजनित बीमारियों की रोकथाम तथा आपदा पूर्व तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए बाढ़ से संबंधित सभी तैयारियां समय रहते पूरी कर लें। उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि वर्षाजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक दवाओं और चिकित्सकीय संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। नगर निकायों को जलजमाव की समस्या से निपटने के लिए नालों की सफाई एवं जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया गया। वहीं, सभी अनुमंडल पदाधिकारियों और कार्यपालक अभियंताओं द्वारा तटबंधों के संयुक्त निरीक्षण की समीक्षा करते हुए डीएम ने नियमित निगरानी और क्षतिग्रस्त स्थलों पर तत्काल मरम्मत कार्य कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने आपदा सम्पूर्ति पोर्टल पर सभी पात्र लाभुकों का शत-प्रतिशत अद्यतन सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी जरूरतमंद राहत से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध जवाबदेही तय कर कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने अपर समाहर्ता आपदा को निर्देश दिया गया कि सभी अंचलाधिकारी अपने क्षेत्रों में आवश्यकता के अनुरूप निजी नावों के लिए एकरारनामा सुनिश्चित करें तथा क्षतिग्रस्त सरकारी नावों की मरम्मत शीघ्र कराएं। बाढ़ आश्रय स्थलों में पेयजल, शौचालय, स्वच्छता और अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया गया. स्वास्थ्य विभाग को बाढ़ राहत कार्यों के लिए एंटी-स्नेक वेनम, जीवन रक्षक दवाएं, हैलोजन टैबलेट, ब्लीचिंग पाउडर सहित अन्य आवश्यक सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखने का निर्देश दिया गया। वहीं पीएचईडी विभाग को खराब चापाकलों की मरम्मत में तेजी लाने तथा संभावित प्रभावित क्षेत्रों में नए चापाकलों की स्थापना की अग्रिम तैयारी करने को कहा गया। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को मानसून अवधि के दौरान पूर्ण सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी आपदा की स्थिति में आमजन को हर संभव सहायता समय पर उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

केन्द्रीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, पटना में सौ दिवसीय टीबी मुक्त-अभियान की पांचवी कड़ी

हाजीपुरः केन्द्रीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, पटना के ओपीडी परिसर में ह्न100 दिवसीय सघन टीबी मुक्त भारत अभियानह्न के अंतर्गत जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन चिकित्सा निदेशक डॉ सुबोध कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत डॉ स्वीटी कुमारी, मंडल चिकित्सा अधिकारी के द्वारा की गई जिन्होंने उपस्थित जनसमूह को आयोजन के उद्देश्य , महत्व एवं लक्ष्य से अवगत कराया। तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ फैजान, डीएनबी पेडीएट्रीक के द्वारा बच्चों में टीबी के लक्षणों, समय पर पहचान, उपलब्ध जांचों तथा नियमित उपचार के महत्व के बारे में बताया। इसके उपरांत शिशु रोग विभागाध्ययक्ष एवं अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ एके ओझा ने अपने संबोधन में पेडीएट्रीक टीबी की रोकथाम, जांच, टीकाकरण का महत्व एवं समय से चिकित्सकीय परामर्श के महत्व पर विशेष रूप से बल दिया। कार्यक्रम के अंत में चिकित्सा निदेशक डॉ सुबोध कुमार मिश्रा ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा पेडिएट्रीक टीबी मामलों में जन जागरूकता, समय पर जांच एवं नियमित उपचार की बहूत महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, टीबी के लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सा सहायता एवं बीसीजी टीकाकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में लगभग 200 से ज्यादा मरीजों एवं उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं पेडीएट्रीक टीबी से संबंधित महत्वयपूर्ण जानकारी प्राप्त किया।

अमृत भारत एक्सप्रेस से गिरकर घायल यात्री की मौत

किशनगंज, (एजेंसी) : किशनगंज से बेंगलुरु जा रही अमृत भारत एक्सप्रेस से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुए एक यात्री की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना बीते 9 जून की रात करीब 11 बजे खुरियाल स्टेशन यार्ड में हुई थी। मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, ट्रेन संख्या 15698 डाउन अमृत भारत एक्सप्रेस जब खुरियाल स्टेशन यार्ड से गुजर रही थी, तभी एक व्यक्ति अचानक चलती ट्रेन से नीचे गिर गया।

सूचना मिलते ही आरपीएफ और जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची तथा गंभीर रूप से घायल यात्री को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर किया गया था, जहां इलाज के दौरान गुरुवार को उसकी मौत हो गई।

मृतक की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष बताई जा रही है। उसके पास से कोई पहचान पत्र अथवा अन्य दस्तावेज बरामद नहीं हुआ है, जिससे उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है।प्रारंभिक जांच में यह जानकारी सामने आई है कि वह किशनगंज से बेंगलुरु की यात्रा कर रहा था। रेलवे अधिकारी आईसी हृदेश कुमार ने बताया कि शव की पहचान के लिए प्रयास जारी है। यदि 72 घंटे के भीतर मृतक की पहचान नहीं हो पाती है, तो नियमानुसार शव का अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा।

उन्होंने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि किसी को मृतक के संबंध में कोई जानकारी हो तो मोबाइल नंबर 9031828570 पर संपर्क करें। इधर, आरपीएफ ने यात्रियों से चलती ट्रेन के दरवाजे पर खड़े नहीं होने और यात्रा के दौरान पूरी सतर्कता बरतने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि जल्दबाजी और लापरवाही के कारण अक्सर इस तरह की दुर्घटनाएं होती हैं, जिनसे जान-माल का नुकसान होता है।

वीरपुर एयरपोर्ट को लेकर बढ़ी उम्मीद, 60 सीटों वाले विमानों के संचालन की तैयारी तेज

सुपौल, (एजेंसी) : कोसी क्षेत्र के लोगों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। वीरपुर हवाई अड्डे से जल्द उड़ान सेवा शुरू होने की उम्मीद मजबूत हुई है।

सुपौल सांसद दिलेश्वर कामत ने गुरुवार को एयरपोर्ट का निरीक्षण कर बताया कि केंद्र सरकार इसके विकास को लेकर गंभीर है। पहले 20 सीटों वाले विमान संचालन की योजना थी, लेकिन अब एयरपोर्ट को 60 सीटों वाले विमानों के अनुरूप विकसित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इसके लिए आवश्यक राशि स्वीकृत हो चुकी है और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है। निरीक्षण के दौरान सांसद ने अधिकारियों के साथ एयरपोर्ट की मौजूदा स्थिति और विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के विस्तार और आधुनिकीकरण की दिशा में तकनीकी व प्रशासनिक प्रक्रियाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण को लेकर वीरपुर एसडीएम नीरज कुमार के साथ भी चर्चा की गई है।

सांसद ने कहा कि आगामी संसद सत्र में भी वह वीरपुर एयरपोर्ट का मुद्दा प्रमुखता से उठाएंगे, ताकि निर्माण और संचालन कार्य जल्द पूरा हो सके। उन्होंने विश्वास जताया कि एयरपोर्ट शुरू होने से सुपौल समेत पूरे कोसी क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। इससे पहले सांसद कोचगामा पंचायत पहुंचे, जहां ग्रामीणों की मांग पर थल्हा धार पर पुल निर्माण की आवश्यकता का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। वीरपुर आईबी में ग्रामीण कार्य विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में उन्होंने सड़क, पुल और पुलिया निर्माण योजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश भी दिए।

रासायनिक खेती छोड़ प्राकृतिक खेती अपनाएं किसान : तारकिशोर प्रसाद

कटिहार, (एजेंसी) : जिले के किसानों को पारंपरिक रासायनिक खेती के हानिकारक प्रभावों से बचाने और उन्हें प्राकृतिक एवं जैविक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से गुरुवार को विकास भवन सभागार में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आत्मा द्वारा आयोजित इस 'प्राकृतिक खेती विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम' का विधिवत उद्घाटन पूर्व उपमुख्यमंत्री सह सदर विधायक तारकिशोर प्रसाद, प्राणपुर विधायक निशा सिंह, कोढ़ा विधायक कविता पासवान, कदवा विधायक दुलाल चंद्र गोस्वामी और जिला कृषि पदाधिकारी मिथिलेश कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सदर विधायक तारकिशोर प्रसाद ने चिंता जताते हुए कहा कि आज कृषि में रासायनिक खादों और कीटनाशकों के अंधाधुंध उपयोग से न केवल भूमि की उर्वरा शक्ति नष्ट हो रही है, बल्कि इसके उपभोग से मानव स्वास्थ्य पर भी गंभीर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, जिससे कई भयंकर बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की लागत का आधा हिस्सा केवल उर्वरक और कीटनाशक खरीदने में ही चला जाता है। यदि किसान खेती में अधिक मुनाफा कमाना चाहते हैं और मानव स्वास्थ्य को बचाना चाहते हैं, तो उन्हें प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर होना होगा। वहीं, कदवा विधायक ने भी रसायनों के प्रयोग से उपजे अनाज व सब्जियों को जीवन के लिए खतरा बताते हुए प्राकृतिक विधि से उत्पादन पर जोर दिया।जिला कृषि पदाधिकारी मिथिलेश कुमार ने किसानों को रासायनिक खेती छोड़ने के लिए जागरूक किया। उन्होंने किसानों को रासायनिक कीटनाशकों की जगह देसी गाय के गोबर और गौमूत्र से निर्मित कीटनाशक बनाने की विधि बताई। साथ ही खेतों में नीमास्त्र, जीवामृत एवं बीजामृत के प्रयोग पर बल दिया। उन्होंने बताया कि यह खाद बहुत ही सस्ती होती है और इसके प्रयोग से न केवल उत्पादन अधिक प्राप्त होता है, बल्कि भूमि की उर्वरा शक्ति भी बढ़ती है।प्रशिक्षण के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा एक विशेष तकनीकी सत्र भी आयोजित किया गया। इस सत्र में जैविक खाद, बायो-कीट नियंत्रण, मिट्टी स्वास्थ्य सुधार, बीज चयन एवं संरक्षण तथा कम लागत में अधिक उपज देने वाली फसलों के संयोजन और जल प्रबंधन पर व्यावहारिक चर्चा की गई।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित किसानों ने प्रशिक्षकों से सक्रिय रूप से प्रश्न पूछे और अपने खेतों में प्राकृतिक व जैविक खेती अपनाने के प्रति गहरी रुचि दिखाई।

पहाड़पुर स्टेशन पर वैशाली ईएमयू फास्ट पैसेंजर की ठहराव की मांग हुई तेज

गया जी (एजेंसी) :पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद रेल मंडल अंतर्गत गया-कोडरमा रेलखंड के महत्वपूर्ण पहाड़पुर रेलवे स्टेशन पर 63384/63383 वैशाली-कोडरमा ईएमयू फास्ट पैसेंजर ट्रेन के ठहराव की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। स्थानीय यात्रियों, सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों ने रेलवे प्रशासन से इस ट्रेन का ठहराव सुनिश्चित करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि पहाड़पुर स्टेशन क्षेत्र के हजारों यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण आवागमन केंद्र है लेकिन इस ट्रेन के नहीं रुकने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।पहाड़पुर स्टेशन को रेलवे बोर्ड द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल किया गया है और यह धनबाद रेल मंडल के प्रमुख राजस्व अर्जित करने वाले स्टेशनों में भी गिना जाता है। इसके बावजूद कई महत्वपूर्ण ट्रेनों का यहां ठहराव नहीं होने से यात्रियों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्टेशन के विकास के साथ-साथ प्रमुख ट्रेनों का ठहराव भी जरूरी है ताकि यात्रियों को इसका वास्तविक लाभ मिल सके।

रेलवे बोर्ड और डीआरएम को भेजा गया मांग पत्रजानकारी के अनुसार इस संबंध में रेलवे बोर्ड, पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक तथा धनबाद रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) को मांग पत्र भेजा गया है। मांगकताओं का कहना है कि गया, नवादा और नालंदा जिलों के अलावा झारखंड के हजारीबाग एवं चतरा जिले के बड़ी संख्या में यात्री पहाड़पुर स्टेशन पर निर्भर हैं।वर्तमान में वैशाली-कोडरमा ईएमयू फास्ट पैसेंजर तिलैया स्टेशन से खुलने के बाद सीधे गुरपा स्टेशन पर रुकती है। गुरपा स्टेशन से पहले पहाड़पुर स्टेशन पड़ता है, जहां इस ट्रेन का ठहराव यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांग है। स्थानीय लोगों ने रेलवे प्रशासन से जनहित को ध्यान में रखते हुए शीघ्र निर्णय लेने की अपील की है। उनका कहना है कि ट्रेन का ठहराव मिलने से हजारों यात्रियों को सुविधा मिलेगी और क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। सामाजिक कार्यकर्ता संजय कुमार प्रजापति ने कहा कि पहाड़पुर स्टेशन अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल महत्वपूर्ण स्टेशन है। यहां से गया, नवादा, नालंदा और झारखंड के कई जिलों के यात्री यात्रा करते हैं। वैशाली-कोडरमा ईएमयू फास्ट पैसेंजर का ठहराव होने से हजारों यात्रियों को सुविधा मिलेगी। रेलवे को जनहित में जल्द निर्णय लेना चाहिए।युवा कार्यकर्ता मुक्तिनाथ शांडिल्य ने कहा कि रोजगार, शिक्षा और इलाज के लिए बड़ी संख्या में लोग पहाड़पुर स्टेशन से यात्रा करते हैं। ट्रेन के नहीं रुकने से यात्रियों को अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती है। यदि वैशाली-कोडरमा ईएमयू का ठहराव यहां हो जाए तो महिलाओं, छात्रों और बुजुर्गों को काफी राहत मिलेगी। व्यवसायी चन्द्रशेखर कुमार बबलू ने कहा कि

पहाड़पुर क्षेत्र के व्यापारियों और छोटे उद्यमियों के लिए यह ट्रेन बेहद उपयोगी साबित होगी। वर्तमान में ट्रेन नहीं रुकने से समय और धन दोनों की हानि होती है। स्टेशन की बढ़ती यात्री संख्या को देखते हुए रेलवे को यहां तत्काल ठहराव की स्वीकृति प्रदान करनी चाहिए।

दैनिक रेल यात्री संघ के नेता रवि रंजन प्रसाद ने कहा कि

गया, कोडरमा और तिलैया क्षेत्र में पढ़ाई करने वाले सैकड़ों छात्र प्रतिदिन रेल यात्रा करते हैं। साथ ही राजगीर बिहार शरीफ हाजीपुर कोडरमा आने जाने के लिए सुलभ संसाधन उपलब्ध होगा। वैशाली-कोडरमा ईएमयू का पहाड़पुर स्टेशन पर ठहराव होने से छात्रों की आवाजाही आसान होगी। यह निर्णय शिक्षा और रोजगार से जुड़े युवाओं के हित में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

संपादकीय

मानसून सत्र और भारतीय राजनीति का समुद्र मंथन

जुलाई माह में संसद का मानसून सत्र शुरू होने वाला है। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज है कि इस बार सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी राजनीतिक टकराहट देखने को मिल सकती है। महंगाई, बेरोजगारी, कृषि संकट, शिक्षा व्यवस्था, अर्थव्यवस्था तथा विभिन्न राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियां ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें लेकर विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है। पिछले सत्र में परिसीमन बिल सरकार संसद में पास नहीं करा पाई थी। बीते महीनों में जिस तरह से सरकार को आर्थिक संकट से गुजरना पड़ रहा है, विदेशी निवेशक शेयर बाजार से निवेश किया धन वापस निकाल रहे हैं। कच्चे तेल के आयात से सरकार की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। ऐसी स्थिति में सरकार मानसून सत्र में कोई जोखिम उठाना नहीं चाहती है। देश में खाद्य पदार्थों, ईंधन और घरेलू जरूरतों की वस्तुओं की कीमतों को लेकर जनता के बड़े वर्ग में नाराजगी दिखाई दे रही है। किसान संगठन, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), फसल खरीद और कृषि लागत जैसे मुद्दों पर आंदोलित हैं। वहीं नीट पेपर लीक से लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और शिक्षा व्यवस्था को लेकर छात्र संगठनों की ओर से सड़क पर असंतोष व्यक्त किया जा रहा है। काकरोच के नाम पर युवा जेन-जी सड़कों पर प्रदर्शन कर रहा है। विपक्षी दलों द्वारा लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सरकार के दबाब में काम करने के आरोप हैं। जबकि सरकार इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करती है। सरकार अपने कार्यकाल में हुए विकासकार्यों, कल्याणकारी योजनाओं तथा आर्थिक उपलब्धियों को सामने रखती है। राजनीतिक दलों के बीच बढ़ती बयानबाजी ने संसद के आगामी सत्र को और महत्वपूर्ण बना दिया है। एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों ही संसद सत्र के पहले अपने-अपने राजनीतिक समीकरण मजबूत करने में जुटे हुए हैं। क्षेत्रीय दलों की भूमिका इस बार विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि संसद का मानसून सत्र आने वाले विधानसभा चुनावों और भविष्य की राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने में यह मानसून सत्र सरकार के लिए संकटभरा हो सकता है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति को यदि समुद्र मंथन की उपमा दी जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। समुद्र मंथन में जिस प्रकार देवताओं और असुरों के बीच संघर्ष के साथ-साथ सहयोग भी था, उसी प्रकार भारतीय लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उस पौराणिक कथा में पहले विष निकला और अंत में अमृत प्राप्त हुआ था।

विश्व के सभी धर्म, भले ही और चीजो में अंतर रखते हो, लेकिन सभी इस बात पर एकमत है कि दुनिया में कुछ नही बस सत्य जीवित रहता है।

: महात्मा गांधी

उन लोगो के अटल साहस से ज्यादा प्रभावशाली कुछ भी नहीं है, जो अपनी आजादी और सम्मान के लिए दुःख सहने और त्याग करने के लिए तैयार है।

: मार्टिन लूथर किंग जेआर

आती-जाती सत्ता के साथ बदलती नेताओं की वफादारी

पारिवारिक और सामाजिक जीवन में जहां वफादारी सबसे बड़ी पूंजी होती है, वहीं क्या सियासत की दुनिया में वफादारी सबसे सस्ती चीज होती है? आज यह सवाल हर तरफ पूछा जा रहा है। क्या जब तक सत्ता का ह्यसूरजह्ल चमकता रहता है, दरबार में भीड़ लगी रहती है। लेकिन जैसे ही सूरज ह्यअस्ताचलह्ल होने लगता है, सियासी ह्यमहफिलह्ल में सन्नाटा छा जाता है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में इस वक्त ठीक यही हो रहा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के बाद तृणमूल कांग्रेस की बगावत ने पार्टी को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया है। दिल्ली से कोलकाता तक पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी की मनमानी के खिलाफ पार्टी के 20 लोकसभा सांसदों और 58 से अधिक विधायकों ने मोर्चा खोल दिया है। वैसे यह महज एक पार्टी का संकट नहीं है, यह भारतीय लोकतंत्र के उस गहरे घाव को उजागर करता है, जिसे मौकापरस्ती का नासूर कहते हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भाजपा ने 45.43 प्रतिशत वोट पाकर सत्ता पर कब्जा किया और ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस का वोट शेयर 7.16 प्रतिशत गिर गया। विधानसभा चुनाव 2026 के परिणाम में ममता बनर्जी की पार्टी को मात्र 80 सीटें मिलीं। ममता बनर्जी के 35 में से 22 मंत्रियों को हार का सामना करना पड़ा, यानी करीब 63 प्रतिशत मंत्री चुनाव हार गए। खुद ममता बनर्जी भी अपने पुराने गढ़ भवानीपुर में हार गईं। पंद्रह साल की सत्ता का यह अंत था, लेकिन असली तमाशा इसके बाद शुरू हुआ।

पिछले 14 दिन में ही पांच बड़े नेताओं ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर राय ने पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है और अपनी राज्यसभा सीट भी छोड़ दी है। जिस सुखेंदु शेखर राय को ममता का सबसे भरोसेमंद सिपाही माना जाता था, उन्होंने जाते-जाते भाजपा की तारीफ में पत्र लिखा। 14 बागी सांसद भाजपा के राष्ट्रीय रणनीतिकार और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर लंच के लिए जुटे, जहां पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद थे। यह लंच महज खाने का नहीं, सियासी पाला बदलने का आयोजन था। बागियों की फेहरिस्त लंबी है। काकोली घोष दस्तीदार, जगदीश चंद्र बसुनिया, खलीलुर रहमान, यूसुफ पठान, अबू ताहिर खान, पार्थ भौमिक, बापी हलदार, सायोनी घोष, माला रॉय, मिताली बाग, दीपक अधिकारी, जून मालिया, अरूप चक्रवर्ती और शत्रुघ्न सिन्हा समेत 19 सांसदों के नाम बागी सूची में हैं। टीएमसी सांसद शताब्दी रॉय ने खुलकर कहा कि भारी भ्रष्टाचार की वजह से पार्टी की हार हुई है। उन्होंने संकेत दिए कि वे एनडीए का समर्थन करेंगी और अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए मौजूदा सरकार के साथ काम करेंगी। टीएमसी के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता शांतनु सेन ने भी पार्टी से इस्तीफा देकर ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व को चुनौती दी।

लेकिन यह बीमारी सिर्फ तृणमूल की नहीं है। भारतीय राजनीति का पूरा इतिहास ऐसे मौकापरस्तों से भरा पड़ा है, जिन्होंने सत्ता के लिए अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता को ताक पर रख दिया। 2014 में जब नरेंद्र मोदी की अगुआई में भाजपा ने ऐतिहासिक बहुमत हासिल किया, तब से कांग्रेस का एक के बाद एक बड़ा चेहरा पार्टी छोड़ता चला गया। गुलाम नबी आजाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, हेमंत बिस्वा सरमा, जगदंबिका पाल, अदिति सिंह काफी लंबी लिस्ट है।

राहुल-प्रियंका के सबसे करीबी आरपीएन सिंह तक ने भी कांग्रेस का साथ छोड़ दिया। ये वो लोग थे, जो कभी गांधी परिवार के सबसे करीबी माने जाते थे। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने तो मध्य प्रदेश में कांग्रेस की कमलनाथ सरकार ही पलट दी और सीधे केंद्र में मंत्री बन गए। महाराष्ट्र कांग्रेस के बड़े नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और अगले ही दिन भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में निर्णय लेने की क्षमता नहीं है। अमरिंदर सिंह, जो पंजाब के मुख्यमंत्री रहे और जिन्होंने पाकिस्तान से लड़ाई तक की बात की थी, वे भी कांग्रेस छोड़कर अपनी पार्टी बनाकर बाद में भाजपा की गोद में जा बैठे। नारायण राणे, जो महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे, उन्होंने भी यही रास्ता चुना। एक नेता ने जाते हुए कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वे 55 साल के साथ को छोड़कर पार्टी बदल लेंगे, लेकिन देश के लिए मोदी जी का विजन बहुत बड़ा है। पचपन साल की निष्ठा रातोंरात इस तरह बदल जाती है, यह भारतीय लोकतंत्र के लिए कोई गौरव की बात नहीं है। इन सबके बीच एक सवाल जरूर उठता है कि क्या इन नेताओं में से कोई एक भी वैचारिक आधार पर पार्टी बदलता है? जवाब ज्यादातर नकारात्मक ही है। टिकट न मिलना, पद से हटाया जाना, या सत्ता की धूप से दूर हो जाना, यही तीन कारण होते हैं, जो नेताओं को रातोंरात क्रांतिकारी बना देते हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया को मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री पद नहीं मिला, तो उन्होंने पार्टी ही बदल दी। जितिन प्रसाद को उत्तर प्रदेश में तवज्जो नहीं मिली, तो उन्होंने भाजपा में शरण ली। यह बात और है कि भाजपा ने भी इन्हें उचित महत्व देने में कोई कमी नहीं रखी। तृणमूल के संदर्भ में यह और भी विडंबनापूर्ण है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि ममता बनर्जी की पहचान हमेशा से एक फाइटर नेता की रही है। 1998 में कांग्रेस से अलग होकर उन्होंने अकेले दम पर तृणमूल कांग्रेस बनाई और 2011 में 34 साल पुराने वामपंथ को सत्ता से उखाड़ फेंका। लेकिन आज उनकी खुद की बनाई पार्टी में वही हो रहा है, जो उन्होंने कांग्रेस में महसूस करके पार्टी छोड़ी थी। यह राजनीतिक न्याय का एक कड़वा चक्र है।भारतीय राजनीति में दल-बदल को रोकने के लिए दसवीं अनुसूची यानी एंटी-डिफेक्शन लॉ बना, लेकिन नेताओं ने उसकी भी काट निकाल ली। दो-तिहाई का फॉर्मूला हो या व्यक्तिगत इस्तीफे का रास्ता, जहां कानून की दीवार खड़ी होती है, सियासतदान वहां सुरंग खोद लेते हैं। तृणमूल के बागियों ने भी यही किया। व्यक्तिगत इस्तीफे देकर या अलग गुट बनाकर वे उस कानूनी जाल से बाहर निकलने की कोशिश में हैं, जो उन्हें अयोग्य घोषित कर सकता है। असल सवाल यह नहीं है कि ममता के साथी उन्हें क्यों छोड़ रहे हैं या कांग्रेस के दिग्गज भाजपा में क्यों जा रहे हैं। असल सवाल यह है कि भारतीय मतदाता कब तक इस तरह के नेताओं को माफ करता रहेगा? जो नेता आज एक पार्टी की विचारधारा को गाली देकर दूसरी पार्टी में जाता है, वह अगले चुनाव में फिर टिकट मांगता है और अक्सर मिल भी जाता है। यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना है। पश्चिम बंगाल की ताजा सियासत एक आईना है, जिसमें पूरे भारत की राजनीति का चेहरा दिखता है। सत्ता जब तक रहती है, वफादारी की कसमें खाई जाती हैं। सत्ता जाते ही वफादारी के ये धागे खुद-ब-खुद टूट जाते हैं। ममता बनर्जी ने जो बोया था, वह काटने का वक्त आ गया। लेकिन इस फसल से सीख सिर्फ ममता के लिए नहीं, हर उस दल के लिए है, जो अपने नेताओं को विचारधारा की बजाय सत्ता के लालच पर टिकाए रखता है। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि संगठन की जड़ें सत्ता की जमीन में नहीं, जनता के विश्वास में होती हैं। जिस दिन यह जड़ें मजबूत होंगी, उस दिन मौकापरस्तों के लिए कोई जगह नहीं बचेगी।

संजय सक्सेना

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

व्यूज की अंधी दौड़ में लहूलुहान होती सामाजिक मयार्दा

गुरुग्राम के एक स्टैंडअप कॉमेडी शो में ₹370 की बिरयानी की कीमत एक महिला की अस्मिता से लगाने वाले दर्शक का वीडियो और उस पर ताली पीटते कॉमेडियन प्रणीत मोरे का ठहाका सिर्फ एक तात्कालिक विवाद नहीं, बल्कि भारतीय स्टैंडअप कॉमेडी के उस गहरे नैतिक और वैचारिक पतन का दस्तावेज है, जो पिछले एक दशक से धीरे-धीरे हमारे समाज में पैठ बना रहा था। यह घटना साफ तौर पर रेखांकित करती है कि व्यूज, लाइक्स और वायरल क्लिप्स की अंधी दौड़ में हास्य और अश्लीलता के बीच का अंतर पूरी तरह समाप्त हो चुका है। जहाँ दर्शक हिमांशु जांगड़ा की नौकरी चली गई, वहीं प्रणीत मोरे को अपना सोशल मीडिया अकाउंट बंद कर माफी मांगनी पड़ी। वहीं, दिवंगत अभिनेता इरफान खान की पत्नी सुतापा सिकदर से लेकर अभिनेत्री रश्मि देसाई तक ने इस खोखली माफी को सिरे से खारिज कर दिया। विवाद केवल यहीं नहीं थमा; इसी शो की एक अन्य क्लिप में एक महिला मेडिकल छात्रा ने मेडिकल कॉलेज में 'डेड बॉडी' के प्राइवेट पार्ट्स पर मजाक बनाने की बात गर्व से कबूल की, जिसने चिकित्सा जगत की नैतिकता और देहदान करने वाले परिवारों की भावनाओं को बुरी तरह झकझोर कर रख दिया। यह अराजकता किसी एक मंच की नहीं, बल्कि उस 'क्राउडवर्क' फॉर्मेट की देन है, जहाँ बिना स्क्रिप्ट, बिना सेंसर और बिना संपादन के केवल तात्कालिक भीड़ को हंसाने के लिए किसी भी हद तक जाने की खुली छूट ले ली गई है। भारतीय स्टैंडअप कॉमेडी का इतिहास पिछले एक दशक में जितनी तेजी से व्यावसायिक रूप से समृद्ध हुआ है, वैचारिक और सामाजिक रूप से वह उतना ही सतही और खोखला होता गया है। आज डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का पूरा एल्गोरिदम रचनात्मकता से ज्यादा 'शॉक वैल्यू' और विवाद को बढ़ावा देता है। जब कलाकार को पता होता है कि जितना तीखा, अभद्र या विवादास्पद कंटेंट होगा, रील्स और शॉर्ट्स पर उतने ही मिलियन व्यूज मिलेंगे, तो वह सामाजिक मयार्दाओं को ताक पर रख देता है। अभिनेत्री रश्मि देसाई और आयशा खान का यह सवाल बेहद मौजूं है कि जब एक महिला की गरिमा को मंच पर तार-तार किया जा रहा था, तब उस हॉल में बैठे सैकड़ों लोगों में से एक भी व्यक्ति ऐसा क्यों नहीं था, जो उठकर इसका विरोध करता? सामूहिक हँसी अक्सर व्यक्तिगत विवेक को सुला देती है और यही इस डिजिटल इकॉनॉमी का सबसे खतरनाक पहलू है। जब हास्य का पैमाना केवल भीड़ का ठहाका बन जाए, तो वह कला नहीं, बल्कि एक अनियंत्रित तमाशा बन जाती है।

यदि हम पिछले कुछ वर्षों के आंकड़ों और इतिहास पर नजर डालें, तो स्टैंडअप कॉमेडी का यह भटकाव हर दिशा में फैला है, चाहे वह धर्म हो, देश की सुरक्षा एजेंसियां हों, सेना हो या फिर लोक संस्कृति। साल 2021 में मुनव्वर फारुकी को इंदौर में हिंदू देवी-देवताओं और गृह मंत्री पर कथित अभद्र टिप्पणी के आरोप में करीब एक महीना जेल में बिताना पड़ा था। इसके बाद 2023 में भारतीय मूल की अमेरिकी कॉमेडियन जरना गर्ग का वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने '19,000 हिंदू देवी-देवताओं' का मजाक उड़ाया, जिसके खिलाफ देशव्यापी आक्रोश देखने को मिला और कई राज्यों में एफआईआर की मांग की गई। साल 2024 में पुनः मुनव्वर फारुकी को मुंबई के एक शो में कोंकणी समुदाय पर अपमानजनक टिप्पणी के लिए लिखित माफी मांगनी पड़ी। वर्ष 2025 में यह विवाद चरम पर पहुंच गया, जब महाराष्ट्र में महज दो महीनों के दौरान कुणाल कामरा, समय रैना और प्रणीत मोरे पर अलग-अलग मामलों में गंभीर एफआईआर दर्ज हुईं। कुणाल कामरा द्वारा राजनीतिक नेतृत्व पर किए गए कटाक्ष के बाद मुंबई के हैबिटेट क्लब में तोड़फोड़ हुई और बीएमसी की कार्रवाई झेलनी पड़ी। इसी तरह अतीत में तन्मय भट्ट द्वारा भारत रत्न लता मंगेशकर और सचिन तेंदुलकर का मजाक उड़ाने पर भारी कानूनी और सामाजिक विरोध का सामना करना पड़ा था, जबकि आंध्र प्रदेश में कॉमेडियन अनुदीप को अभिनेता व नेता पवन कल्याण पर की गई टिप्पणी के कारण पुलिस हिरासत में जाना पड़ा।

यह पूरा परिदृश्य दिखाता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर एकतरफा ढाल तैयार की जा रही है। जब राजनेताओं, पुलिसकर्मियों या सेना के जवानों पर व्यंग्य किया जाता है, तो उसे लोकतांत्रिक अधिकार का नाम दिया जाता है, लेकिन जब इसी स्वतंत्रता का उपयोग किसी मृत देह के अपमान, किसी समुदाय की अस्मिता को ठेस पहुँचाने या महिला विरोधी मानसिकता को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है, तब इसे किस श्रेणी में रखा जाएगा? देश में हर साल हजारों स्टैंडअप शो होते हैं और इनके वीडियो यूट्यूब व इंस्टाग्राम पर करोड़ों की कमाई करते हैं। इस विशाल बाजार की अपनी एक सामाजिक जिम्मेदारी बनती है। एक जीवंत लोकतंत्र में सत्ता, रूढ़ियों और पाखंड पर तीखा कटाक्ष होना अनिवार्य है और भारत में ऐसे बेहतरीन कलाकार हैं, जो मयार्दा में रहकर यह काम करते हैं। परंतु जब पूरी इंडस्ट्री को एक ही तराजू में तौला जाता है, तो नुकसान उन वास्तविक कलाकारों का होता है, जो कला की समझ रखते हैं। प्रणीत मोरे का यह कहना कि 'वह इंसान हैं और सीख रहे हैं', एक पेशेवर मंच पर अपनी जिम्मेदारी से भागने जैसा है। यदि वीडियो को एडिट कर, उस पर आकर्षक टैग लगाकर जानबूझकर वायरल किया गया, तो कॉमेडियन इस प्रकरण में बराबर का भागीदार है। हास्य का मूल उद्देश्य समाज को आईना दिखाना और तनाव कम करना होता है, न कि किसी की गरिमा को कुचलना। सरकार या अदालतें कानून बनाकर मंच पर सेंसरशिप लागू नहीं कर सकतीं और न ही यह एक स्वस्थ समाज के लिए सही होगा। इसकी अंतिम रेखा उस दर्शक को ही खींचनी होगी, जो टिकट खरीदकर इन शो में बैठता है। जब तक दर्शक अश्लीलता, अभद्रता और संवेदनहीनता पर तालियाँ बजाना बंद नहीं करेंगे, तब तक व्यूज की भूख से तड़पते ये क्रिएटर मयार्दाओं को लांघते रहेंगे। समय आ गया है कि डिजिटल युग की इस 'बर्बर हँसी' के खिलाफ समाज स्वयं अपनी मूक सहमति को तोड़े और यह तय करे कि मनोरंजन के नाम पर किस हद तक नीचे गिरने की इजाजत दी जा सकती है।

अजय कुमार,

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7540

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7539 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

दैनिक पंचांग

12 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

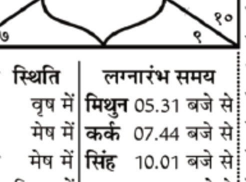

ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृष में
चंद्र	मेष में
मंगल	मेष में
बुध	मिथुन में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कर्क में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मिथुन	05.31 बजे से
कर्क	07.44 बजे से
सिंह	10.01 बजे से
कन्या	12.12 बजे से
तुला	14.23 बजे से
वृश्चिक	16.38 ब.से
धनु	18.54 बजे से
मकर	20.59 बजे से
कुंभ	22.45 बजे से
मीन	00.18 बजे से
मेष	01.49 बजे से
वृष	03.29 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 163 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण **तिथि** द्वादशी 19.37 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 06.29 बजे तदनन्तर भरणी 04.06 बजे रात्र को समाप्त। **योग** अतिगण्ड 21.26 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 09.11 बजे तदनन्तर तैतिल 19.37 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 08' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872738 **जूलियन दिन** 2461203.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 26 **विशेष** प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23 बजे तक		रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक		काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक		लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक		उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक		शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक		अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक		चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक		रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

बचपन की मिठास को कड़वे पसीने में बदलती यह निर्दयी दुनिया

किसी भी समाज का भविष्य बच्चों की आँखों में बसता है। जब उन आँखों के सपने स्कूल की चौखट तक पहुँचने से पहले ही श्रम की धूल में खो जाएँ, जब नन्हे हाथ खिलौनों और किताबों के बजाय बोझ और औजार उठाने लगें, तब समझ लेना चाहिए कि कहीं न कहीं मानवता हार रही है। 12 जून का विश्व बाल श्रम निषेध दिवस इसी पीड़ा की याद दिलाता है—यह उन करोड़ों बच्चों की मौन पुकार है जिनसे उनका बचपन छिन गया। तकनीकी युग में भी असंख्य बच्चे श्रम की बेड़ियों में जकड़े हैं। किसी राष्ट्र की सच्ची समृद्धि उसके सुरक्षित, शिक्षित और सम्मानजनक बचपन से मापी जाती है; बचपन असुरक्षित हो तो विकास फीका पड़ जाता है।

आँकड़े बताते हैं कि बाल श्रम के विरुद्ध लड़ाई अभी अधूरी है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन और यूनिसेफ की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में भी दुनिया के लगभग 138 मिलियन बच्चे बाल श्रम में फँसे हुए थे, जिनमें 54 मिलियन बच्चे ऐसे खतरनाक कार्य कर रहे थे जो उनके जीवन, स्वास्थ्य और भविष्य के लिए सीधा खतरा हैं। निस्संदेह, वर्ष 2000 के 246 मिलियन की तुलना में यह संख्या लगभग आधी हुई है, पर संतोष का कोई कारण नहीं है। संयुक्त राष्ट्र का सतत विकास लक्ष्य 8.7, जिसके तहत 2025 तक बाल श्रम समाप्त करने का संकल्प था, पूरा नहीं हो सका। प्रयासों ने तस्वीर बदली है, लेकिन हकीकत नहीं; जब तक आखिरी बच्चा भी श्रम से मुक्त नहीं होता, तब तक हर उपलब्धि अधूरी रहेगी।

बाल श्रम का वैश्विक भूगोल भी गहरी चिंता पैदा करता है। उप-सहारा अफ्रीका में लगभग 87 मिलियन बच्चे बाल श्रम में फँसे हैं, जो विश्व के कुल बोझ का लगभग दो-तिहाई है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में संख्या 49 मिलियन से घटकर 28 मिलियन हुई है, पर राहत अभी अधूरी है। आज भी लगभग 61 प्रतिशत बाल श्रमिक कृषि क्षेत्र में कार्यरत हैं। खेतों, बागानों और पशुपालन में खपते इन बच्चों के श्रम का हिसाब मिलता है, लेकिन उनके खोए बचपन का नहीं। घरेलू काम, छोटे कारखाने, बाजार, निर्माण स्थल और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाएँ भी बाल श्रम के छिपे केंद्र बने हुए हैं। विडंबना यह है कि हम उत्पादों की चमक देखते हैं, पर उनके पीछे खोया बचपन नहीं।

भारत की स्थिति किसी भी तरह के आत्मसंतोष की गुंजाइश नहीं छोड़ती। आधिकारिक आँकड़ों में लाखों बच्चे बाल श्रम में दर्ज हैं, जबकि विशेषज्ञ इसे इससे कहीं अधिक मानते हैं। कृषि, पटाखा, चमड़ा, काँच उद्योग, खदानें और शहरी घरेलू कार्य—हर जगह बचपन श्रम में उलझा दिखता है। महामारी के बाद बढ़ी गरीबी, मानव तस्करी, पारिवारिक मजबूरियाँ और जलवायु संकट ने इस समस्या को और गहरा कर दिया है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि आज श्रम में खोया हर बच्चा कल की प्रतिभा हो सकता था। बाल श्रम दरअसल भविष्य की संभावनाओं की चोरी है। कानून मौजूद हैं, पर उनका प्रभावी क्रियान्वयन अब भी कमजोर है—एफआईआर बढ़ती हैं, लेकिन दोषसिद्धि कम।

बाल श्रम केवल अर्थव्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि समाज की नैतिक परीक्षा है। एक ओर हम बच्चों को देवतुल्य मानकर पूजते हैं, दूसरी ओर वही व्यवस्था उन्हें सबसे सस्ता श्रमिक बना देती है। गरीबी, अशिक्षा, वयस्कों के लिए रोजगार की कमी और कमजोर सामाजिक सुरक्षा—ये चार आधार बाल श्रम को मजबूती देते हैं। आजीविका के दबाव में परिवार बच्चों को भी श्रम की ओर धकेल देते हैं। साथ ही जलवायु परिवर्तन, आर्थिक संकट, संघर्ष और युद्ध जैसी वैश्विक परिस्थितियाँ उनके बचपन को और संकुचित कर रही हैं। स्पष्ट है कि समाधान केवल बच्चों को काम से हटाने में नहीं, बल्कि उन सामाजिक-आर्थिक कारणों को बदलने में है जो उन्हें वहाँ पहुँचाते हैं।

बाल श्रम के विरुद्ध अभियान में वर्ष 2026 का विषय निर्णायक संकेत देता है—ह्लबाल श्रम को लाल कार्डः बच्चों के लिए उचित अवसर, वयस्कों के लिए सम्मानजनक कार्यह्ल यह केवल नारा नहीं, बल्कि नीति परिवर्तन का आह्वान है। इसका स्पष्ट संदेश है कि बच्चों को अवसर और वयस्कों को सम्मानजनक रोजगार साथ-साथ दिए बिना बाल श्रम समाप्त नहीं होगा। फरवरी 2026 की माराकेश रूपरेखा ने भी शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा और रोजगार सुधार पर जोर दिया है। लेकिन संकल्प तभी सार्थक हैं जब वे जमीन पर बदलाहट बनें। दुनिया ने बाल श्रम के विरुद्ध अनेक संकल्प लिए हैं; अब जरूरत घोषणाओं से आगे बढ़कर उन्हें लागू करने की है।

बाल श्रम केवल अधिकारों का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानव विकास की गहरी बाधा है। बचपन में काम करने को मजबूर बच्चा शिक्षा और कौशल से वंचित रह जाता है, जिससे आगे उसकी आय, अवसर और उत्पादकता सीमित हो जाती है और गरीबी पीढ़ियों तक चलती है। इसका प्रभाव राष्ट्रीय उत्पादकता, स्वास्थ्य और सामाजिक समानता पर भी पड़ता है। फिर भी आशा बनी हुई है—कुछ गाँवों की सामुदायिक निगरानी, एनजीओ की पहल और राज्य स्तरीय योजनाएँ सकारात्मक संकेत दे रही हैं। लेकिन ये प्रयास पर्याप्त नहीं; जरूरत है एक व्यापक, सख्त और समन्वित अभियान की, जिसमें पारदर्शी आपूर्ति शृंखलाएँ, कानून, आर्थिक सहारा और सामाजिक जागरूकता साथ चलें।

सभ्यता की असली पहचान बच्चों की हँसी में है, न कि उनके श्रम में। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस हमें याद दिलाता है कि अब संवेदना नहीं, निर्णायक कार्रवाई का समय है। बाल श्रम को हर स्तर पर वास्तविक ह्ललाल कार्डह्ल दिखाना होगा—यह जिम्मेदारी सरकार, समाज, उद्योग और हर नागरिक की है। घर से लेकर कार्यस्थल तक यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी बच्चे का श्रम हमारी सुविधा न बने। बाल श्रम से मुक्ति केवल बच्चों की नहीं, पूरी मानवता की मुक्ति है। यदि बचपन अंधेरे में खोया रहा, तो भविष्य भी अधूरा रहेगा। बच्चों को शिक्षा, खेल और सपने तथा वयस्कों को सम्मानजनक काम—यही संतुलन मानवता की असली जीत है।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के सत्तारूढ़ दल के संसदीय उपनेता ने ही संसद में की सरकार की आलोचना

काठमांडू। सत्तारूढ़ दल राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) के संसदीय दल के उपनेता विपिन आचार्य ने सदन में गुरुवार को कहा कि सरकार संसद की गरिमा को कम करने का काम कर रही है। संसद के 'शून्य समय' में उन्होंने कहा कि सांसदों के गंभीर मुद्दों की भी सरकार लगातार अनदेखी कर रही है। उन्होंने इस पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि प्रतिनिधि सभा में सांसद जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे उठाते हैं, लेकिन सरकार उन पर ध्यान नहीं देती। आरएसपी के सह-महामंत्री आचार्य ने कहा कि यदि शून्य समय में हमारे द्वारा उठाई गई बातें सुनी जाती हैं, दर्ज की जाती हैं और उन्हें कार्यान्वयन की प्रक्रिया में आगे बढ़ाया जाता है, तो इसे शून्य समय नहीं बल्कि 'पूर्ण समय' कहा जाना चाहिए। लेकिन यदि जनता की पीड़ा और सांसदों के सवाल बोलने के बाद भी शून्य में ही विलीन हो जाते हैं, तो इसका नाम 'ब्लैक होल समय' रख देना चाहिए।" उन्होंने 'ब्लैक होल' का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार वैज्ञानिक तथ्य के अनुसार ब्लैक होल में प्रकाश तक गायब हो जाता है, उसी तरह संसद में नागरिकों की आवाज, जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही और सरकार की जिम्मेदारी भी गायब नहीं होनी चाहिए। आचार्य ने कहा, "शून्य समय वह संवैधानिक द्वार है, जिसके माध्यम से जनता की पीड़ा संसद तक पहुंचती है, लेकिन दरवाजा खुलने के बाद आगे बढ़ने का रास्ता भी होना चाहिए। सांसद बोलते रहें, सरकार न सुने, जनता आवाज उठाती रहे और व्यवस्था मौन बनी रहे—यह परंपरा अब समाप्त होनी चाहिए।

नेपाल से भारत ले जाया जा रहा 922 किलोग्राम गांजा बरामद

काठमांडू। नेपाल सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) ने आज सुबह देश से भारत ले जाया जा रहा 922 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। यह बरामदगी मोरंग जिले के सीमावर्ती क्षेत्र के जहदा से हुई है। सशस्त्र पुलिस बल, नेपाल सीमा सुरक्षा बल के सोमबारी बीओपी, नोचा तथा तरेगामा पोस्ट से खटाई गई संयुक्त टोली ने इस संबंध में पिकअप वाहन और मोटरसाइकिल को कब्जे में ले लिया है। यह गांजा 29 पैकेटों में धान की भूसी की बोरियों के नीचे छुपाकर पिकअप में रखा गया था। एपीएफ के अनुसार, पिकअप के एक मोटरसाइकिल (बीआर 38 जेड 7452) आगे चल रही थी। सुरक्षा कर्मियों को देखते ही दोनों चालक अपने वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए।

भगवान बुद्ध के प्रमुख शिष्यों के अवशेष मप्र के सांची में फिर किए जाएंगे स्थापित

नई दिल्ली। भगवान बुद्ध के दो सबसे प्रमुख और प्रिय शिष्यों- अर्हंत सारिपुत्र और अर्हंत मौद्गल्यायन के पवित्र बौद्ध अवशेषों को मंगोलिया की 10 दिवसीय ऐतिहासिक यात्रा के बाद गुरुवार को मध्य प्रदेश के रायसेन जिला स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल सांची ले जाया गया। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अनुसार ये पवित्र अवशेष मूल रूप से सांची के स्तूपों में ही संरक्षित हैं, जहां इन्हें एक बार फिर पूरे राजकीय और धार्मिक सम्मान के साथ पुनः स्थापित किया जाएगा।

इससे पहले बुधवार को भारतीय वायु सेना के विशेष विमान से पवित्र अवशेषों को मंगोलिया की राजधानी उलानबटोर से दिल्ली वापस लाया गया। दिल्ली आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया गया। आज अवशेषों की रवानगी के दौरान अभिनेत्री एवं लोकसभा सदस्य कंगना रनौत और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने हवाई अड्डे पहुंचकर अपनी गहरी श्रद्धा व्यक्त की। इस यात्रा के दौरान अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) और केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों के साथ लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना भी पवित्र अवशेषों के साथ उपस्थित रहे। नेताओं ने कहा कि इस यात्रा ने भारत और मंगोलिया के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को और अधिक मजबूती प्रदान की है। इन पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी मंगोलिया के गंडन तेगचेनलिंग मठ के विशेष अनुरोध पर आयोजित की गई थी। संस्कृति मंत्रालय के तहत भारतीय राष्ट्रीय संग्रहालय ने मध्य प्रदेश सरकार, श्रीलंका की महाबोधि सोसाइटी और आईबीसी के सहयोग से 31 मई से 9 जून तक इस सफल प्रदर्शनी का संचालन किया। मंगोलियाई बुद्ध पूर्णिमा के शुभ अवसर पर आम जनता के लिए खोली गई इस प्रदर्शनी में जनसैलाब देखने को मिला। लगभग 34 लाख की कुल आबादी वाले मंगोलिया में 10 दिनों के भीतर करीब एक लाख श्रद्धालुओं ने मठ पहुंचकर पवित्र अवशेषों के दर्शन किए।

असम : कुमार भास्कर वर्मा सेतु पर आयोजित प्रगति पथ यात्रा में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल

गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी पर बने कुमार भास्कर वर्मा सेतु पर गुरुवार को 'प्रगति पथ यात्रा' आयोजित की गयी। इस कार्यक्रम में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, स्थानीय विधायक विजय गुप्ता एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। ज्ञात हो कि विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रेरणादायक कार्यक्रमों का आज आयोजन किया गया। जिसमें केंद्रीय मंत्री के साथ ही समाज के सभी वर्गों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के आरंभ में कुमार भास्कर वर्मा सेतु पर आयोजित 'प्रगति पथ यात्रा' के साथ हुई। यात्रा के दौरान उपस्थित जनसमुदाय के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश में हुए अभूतपूर्व विकास कार्यों, बुनियादी ढांचे में आए क्रांतिकारी बदलावों और जनकल्याणकारी उपलब्धियों को विस्तार से साझा किया गया। इसके पश्चात, उत्तर गुवाहाटी स्थित ऐतिहासिक श्री दोल गोविन्द मंदिर परिसर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां पर्यावरण संरक्षण और हरित चेतना का संदेश देते हुए वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर 'विकसित भारत संकल्प सम्मेलन' में स्थानीय नागरिकों और प्रबुद्ध जनों के साथ सीधा संवाद स्थापित किया गया, जहां देश और राज्य के विकास को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इसी कड़ी में, एक विशेष जनसंपर्क अभियान भी चलाया गया। इस अभियान के माध्यम से स्थानीय नागरिकों से व्यक्तिगत रूप से भेंट कर उनके बहुमूल्य विचार, प्रतिक्रियाएं और सुझाव प्राप्त किए गए। असम की निरंतर होती प्रगति, सुदृढ़ और आधुनिक होती आधारभूत संरचना और हर वर्ग में दिख रहा जनभागीदारी का यह अभूतपूर्व उत्साह इस बात का प्रतीक है कि 'विकसित भारत' का संकल्प अब एक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है, जो देश को एक नई और संप्रभु शक्ति प्रदान कर रहा है।

पर्यटन में बदलाव के 12 वर्षः देश में पर्यटन स्थलों पर 24 घंटे हेल्पलाइन, टूरिस्ट पुलिस व्यवस्था

नई दिल्ली। भारत को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर अधिक सुरक्षित और सुगम बनाने की दिशा में सरकार ने कई बड़े कदम उठाए हैं। पर्यटन में बदलाव के 12 साल के तहत देश में एक ऐसा मजबूत पर्यटन पारिस्थितिकी तंत्र तैयार किया जा रहा है, जहां घरेलू और विदेशी यात्री बिना किसी डर के घूम-फिर सकें। पर्यटन मंत्रालय के अनुसार सुरक्षित और स्वागत-पूर्ण यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने 24 घंटे बहुभाषी हेल्पलाइन और प्रमुख पर्यटन स्थलों पर विशेष टूरिस्ट पुलिस की तैनाती जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं जमीनी स्तर पर लागू की हैं। यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति, शिकायत या तुरंत जानकारी के लिए सरकार ने एक समर्पित टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1363 जारी किया है। यह हेल्पलाइन 24 घंटे काम करती है। विदेशी और स्थानीय पर्यटकों की सुविधा के लिए यह सेवा 12 अलग-अलग भाषाओं में उपलब्ध है, ताकि भाषा की वजह से किसी को मदद मिलने में कोई बाधा न आए। इसके अलावा, पर्यटकों को जमीनी स्तर पर तत्काल और विशेष सुरक्षा प्रदान करने के लिए देश के प्रमुख पर्यटन राज्यों में टूरिस्ट पुलिस की तैनाती की गई है। वर्तमान में यह व्यवस्था गोवा, केरल, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर सहित देश के 15 प्रमुख राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पूरी तरह सक्रिय है। इस विशेष पुलिस बल का मुख्य उद्देश्य पर्यटन स्थलों पर होने वाली धोखाधड़ी को रोकना, पर्यटकों का मार्गदर्शन करना और उनके साथ होने वाले किसी भी दुर्व्यवहार पर तुरंत कार्रवाई करना है। मंत्रालय के मुताबिक इस नई और आधुनिक व्यवस्था के जरिए केंद्र सरकार का लक्ष्य हर यात्री को यह भरोसा दिलाना है कि आपकी यात्रा आपको जहां भी ले जाए, मदद हमेशा आपके आस-पास ही होगी।

मणिपुर में उग्रवादी हमला, दो ग्रामीणों की मौत, कई घर जलाए

एजेंसी, कामजोंग

♦ मणिपुर पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों ने कामजोंग तथा आसपास के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी

मणिपुर के कमजोंग जिले में गुरुवार तड़के उग्रवादी हमले में दो ग्रामीणों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग प्रभावित हुए। हमले के दौरान कम से कम छह घरों को आग के हवाले कर दिया गया, जिससे गांव में दहशत का माहौल फैल गया। जानकारी के अनुसार, भारी हथियारों से लैस उग्रवादियों का एक समूह सुबह होते ही कमजोंग जिले के कुल्तुह कुकी गांव में घुस आया और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद हमलावरों ने कई आवासीय मकानों में आग लगा दी। अचानक हुए इस हमले से भयभीत ग्रामीण अपनी जान बचाने के लिए आसपास के जंगलों की ओर भाग गए।

ईस्टर्न कुकी चीफ्स एसोसिएशन ने मृतकों की पहचान कुल्तुह चर्च के हेड डीकन लेटमिनलुन हाओकिप और चर्च यूथ चेयरमैन लुनमिनथांग हाओकिप के रूप में की है। घटना में दो अन्य ग्रामीणों के घायल होने की भी सूचना है।

यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब पड़ोसी जिले कांगपोकपी में अपहृत छह नागा समुदाय के लोगों के शव बरामद होने के बाद पूरे राज्य में तनाव का माहौल बना हुआ है। इस घटना को लेकर विभिन्न क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन हुए हैं तथा सेनापति जिले में एक राजनीतिक दल के कार्यालय में तोड़फोड़ की घटना भी सामने आई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मणिपुर पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों ने कामजोंग तथा आसपास के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। प्रशासन का कहना है कि किसी भी प्रकार की प्रतिशोधात्मक सामुदायिक हिंसा को रोकने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं।

इस बीच, विभिन्न कुकी सामाजिक संगठनों ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे सुनियोजित आतंकी कार्रवाई बताया है। उन्होंने निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की मांग की है। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और हमले में शामिल उग्रवादी संगठन की पहचान करने के प्रयास जारी हैं।

अनियमितताओं को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन आज

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में उपभोक्ता सामानों की कीमतों में पारदर्शिता की कमी को लेकर गैर-सरकारी संगठन अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत (एबीजीपी) राष्ट्रव्यापी जन-जागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार (12 जून) को यहां के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेगा। दिल्ली स्थित प्रेस क्लब में गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नारायणभाई शाह ने कहा कि संगठन उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए सरकार के सामने स्पष्ट एवं वैज्ञानिक मानदंड, युक्तिसंगत मूल्य, मुद्रण सीमा का निर्धारण और नियामक संस्था का गठन जैसी कई मांगे रखेगा।

शाह ने कहा कि वर्तमान अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से पूरी तरह भटक चुकी है। शुरुआत में सरकार ने इसे उपभोक्ताओं को स्थानीय करों की मनमानी से बचाने के लिए लागू किया था, लेकिन आज यह निर्माताओं और व्यापारियों के हाथों की कठपुतली बन चुकी है।

शाह ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि अगर सरकार तत्काल कदम नहीं उठाती है तो मुंबई में उचित समय पर एमआरपी के मुद्दे को लेकर एक बैठक आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा संगठन राज्य सरकार के रुख, वाणिज्य मंत्रालय और वित्त मंत्रालय की भूमिका को लेकर लगातार संपर्क में रहेगा और मांगें पूरी करने के लिए दबाव बनाए रखेगा। मुंबई के अलावा गुवाहाटी और देश के अन्य हिस्सों में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, क्योंकि आज भी एक बड़ी आबादी को एमआरपी के सही नियमों की जानकारी नहीं है। उनका मानना है कि सरकार के स्पष्ट नियमों के अभाव में कंपनियां खुद ही मनमाना मूल्य प्रिंट कर रही हैं। इसके कारण वास्तविक लागत मूल्य और छपे हुए मूल्य (एमआरपी) के बीच का संबंध खत्म हो चुका है।

राष्ट्रीय राजमार्गों की डिजिटल निगरानी के लिए एनएसवी प्रणाली लागू करने का फैसला

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों की निगरानी और रखरखाव व्यवस्था को डिजिटल एवं तकनीक आधारित बनाने के लिए नेटवर्क सर्वे वाहन (एनएसवी) प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया है, जिससे सड़क सुरक्षा और पारदर्शिता को बढ़ावा मिलेगा।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार ये अत्याधुनिक नेटवर्क सर्वे वाहन 3डी लेजर तकनीक, जीपीएस और हाई-रिजॉल्यूशन कैमरों से लैस हैं। ये सड़क की सतह पर मौजूद गड्ढों, दरारों और अन्य खामियों की पहचान कर विस्तृत डिजिटल डेटा तैयार करेंगे। पहले जहां एक दिन में 20 से 80 किलोमीटर सड़क का सर्वे किया जाता था, वहीं अब यह क्षमता बढ़कर लगभग 300 किलोमीटर प्रतिदिन हो गई है।

एनएसवी द्वारा एकत्र डेटा 48 घंटे के भीतर केंद्रीय सिस्टम तक पहुंचाया जाएगा और 10 दिनों के भीतर उसका विश्लेषण कर कार्रवाई योग्य रिपोर्ट तैयार की जाएगी। पहले यह प्रक्रिया 4 से 6 महीने में पूरी होती थी। मंत्रालय ने कहा कि सभी रिपोर्ट डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से संबंधित एजेंसियों को भेजी जाएंगी और मरम्मत कार्य की निगरानी भी सिस्टम आधारित होगी। नई व्यवस्था के तहत निरीक्षण अधिकारी मोबाइल ऐप के जरिए मौके पर ही एनएसवी रिपोर्ट देख सकेंगे, जियो-टैग्ड फोटो अपलोड कर सकेंगे और टिप्पणी भी कर पाएंगे। मंत्रालय के अनुसार इस पहल का उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्गों की गुणवत्ता सुधारना, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और रखरखाव प्रणाली में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।

अमृतसर में 30 किलो हेरोइन बरामद, दो नाबालिग समेत छह नशा तस्कर पकड़े गए

एजेंसी, चंडीगढ़

अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने 30.045 किलोग्राम हेरोइन बरामद करके सीमा पार संचालित नशा तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को चंडीगढ़ में अमृतसर की फतेह सिंह कॉलोनी निवासी गौतम (24), अमृतसर के छेहरटा निवासी कबीर उर्फ काकू (22), अमृतसर निवासी समीर उर्फ सभरवाल (18) तथा अमृतसर की ऑर्किड वैली निवासी गुरप्रीत सिंह उर्फ कीड़ा (18) को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा दो नाबालिगों को भी पकड़ा गया है। उन्होंने बताया कि कबीर उर्फ काकू का आपराधिक रिकॉर्ड भी है और उसके खिलाफ थाना छेहरटा में एनडीपीएस एक्ट के तहत पहले से मामला दर्ज है।

नशों की खेप बरामद करने के अलावा पुलिस टीमों ने एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है, जिसका इस्तेमाल वे नशा तस्करी के लिए कर रहे थे। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार गिरफ्तार नशा तस्कर दुबई में एक तस्कर के संपर्क में थे, जो सीमा पार से हेरोइन की तस्करी में उनकी सहायता कर रहा था। उन्होंने बताया कि उक्त तस्कर के निर्देशों पर निर्धारित स्थानों से नशे की खेप प्राप्त करके उसे पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों में आगे सप्लाई किया जाता था।

डीजीपी ने कहा कि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने तथा वित्तीय स्रोतों का पता लगाकर संभावित हवाला संबंधों का खुलासा करने के लिए आगे जांच जारी है।

पुलिस आयुक्त (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि जांच के अनुसार दुबई का तस्कर इस पूरे मॉड्यूल का मास्टरमाइंड है, जो पहले से ही 42 किलोग्राम हेरोइन बरामदगी मामले तथा 10 किलोग्राम आईसीई बरामदगी मामले सहित तीन बड़े एनडीपीएस मामलों में पुलिस को वांछित है। उन्होंने बताया कि दुबई में बैठकर संचालित करने वाला यह तस्कर नाबालिगों सहित युवाओं को धन का लालच देकर अपने जाल में फंसाता था और फिर उन्हें नशे की खेप प्राप्त करने तथा आगे सप्लाई करने जैसे कार्यों में इस्तेमाल करता था।

ट्विशा शर्मा मौत मामलाः दिल्ली एम्स ने सीबीआई को सौंपी दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट, जांच में आई तेजी

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक्ट्रेस और मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम को दिल्ली एम्स द्वारा तैयार की गई दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सौंप दी गई है। इसके बाद सीबीआई ने अपनी जांच तेज कर दी है। ट्विशा शर्मा के अधिवक्ता अंकुर पांडेय ने बुधवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि एम्स दिल्ली के विशेषज्ञों द्वारा तैयार की गई दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट जांच एजेंसी को मिल गई है। फिलहाल सीबीआई की टीम पोस्टमार्टम रिपोर्ट का गहन अध्ययन कर रही है और इसे जल्द ही उच्चतम न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। अदालत के निर्देशों के आधार पर ही जांच की आगामी दिशा तय होगी।

सूत्रों के अनुसार, अब सीबीआई का मुख्य फोकस गर्भधारण, गर्भपात और उसके बाद हुई मौत के बीच की परिस्थितियों को समझने पर है। जांच एजेंसी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि गर्भपात और मौत के बीच घटनाक्रम किस प्रकार विकसित हुआ। इसके लिए पारिवारिक परिस्थितियों, फोन रिकॉर्ड, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और अन्य तथ्यों का भी विश्लेषण पूरा हो चुका है। दोनों पक्षों के दावों में अंतर होने के कारण जांच की हर कड़ी को बारीकी से परखा जा रहा है।

हालांकि, दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट के निष्कर्षों को लेकर सीबीआई ने अभी कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है। रिपोर्ट में शरीर पर मिले चोट के निशानों तथा गर्भपात से जुड़े तथ्यों का भी परीक्षण किया जा रहा है। इधर, क्राइम सीन री-क्रिएशन के दौरान केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) के विशेषज्ञों द्वारा जुटाए गए तकनीकी साक्ष्यों और डमी टेस्ट की अंतिम रिपोर्ट का मूल्यांकन भी तेज कर दिया गया है। एम्स की दूसरी पोस्टमार्टम रिपोर्ट का मिलान डमी टेस्ट के निष्कर्षों से किया जा रहा है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि मामला आत्महत्या, आत्महत्या के लिए उकसाने अथवा किसी साजिश से जुड़ा है।

मामले में शुरुआती जांच से जुड़ी लापरवाहियां भी सामने आ चुकी हैं। जांच अधिकारी एवं कटारा हिल्स थाने के तत्कालीन सब-इंस्पेक्टर दिनेश शर्मा पर घटना में इस्तेमाल किए गए लिगेचर बेल्ट को चिकित्सकों की टीम तक पहुंचाने में दो दिन की देरी का आरोप है। प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में इन दोनों पहलुओं को गंभीर चूक माना गया है। रिपोर्ट सामने आने के बाद एसआई दिनेश शर्मा के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की संभावना बढ़ गई है।

सीबीआई अधिकारियों का मानना है कि मेडिकल, फोरेंसिक और डिजिटल साक्ष्यों के पूर्ण विश्लेषण के बिना किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। एजेंसी फांसी के फंदे से जुड़े तथ्यों की भी बारीकी से जांच कर रही है। वहीं, सीबीआई की एक विशेष टीम ट्विशा शर्मा के मोबाइल फोन और लैपटॉप की डिजिटल जांच में जुटी हुई है। डिलीट किए गए डेटा को रिकवर करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे चैट, कॉल रिकॉर्ड, फोटो, वीडियो और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के माध्यम से घटनाक्रम की अहम कड़ियां सामने आ सकें।

मप्र से राज्यसभा की तीनों सीटें भाजपा ने जीती, तीनों उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश से राज्यसभा की तीनों सीटें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जीत ली है। पार्टी के तीनों उम्मीदवारों तरुण चुग, रजनीश अग्रवाल और महेश केवट को गुरुवार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। राज्यसभा निर्वाचन के तय कार्यक्रम के अनुसार, उम्मीदवारी से नाम वापसी का गुरुवार को अंतिम दिन था। दोपहर 3 बजे नाम वापसी का समय समाप्त होने के बाद भाजपा के तीन उम्मीदवारों को निर्विरोध विजयी घोषित किया गया, जिनमें तरुण चुग, रजनीश अग्रवाल और महेश केवट शामिल हैं। रिटर्निंग अधिकारी अरविंद शर्मा ने भाजपा के तीनों निर्विरोध निर्वाचित उम्मीदवारों को निर्वाचन के प्रमाण पत्र सौंप दिए हैं। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश से राज्यसभा की तीन सीटों का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है। इनमें दो सीटें भाजपा और एक सीट कांग्रेस के खाते की है। इन तीनों रिक्त होने वाली सीटों पर द्विवार्षिक निर्वाचन के लिए भाजपा के तीन उम्मीदवार-तरुण चुग, महेश केवट और रजनीश अग्रवाल तथा कांग्रेस की मीनाक्षी नटराजन ने नामांकन दाखिल किया था, लेकिन भाजपा की आपत्ति के बाद हलफनामे में अनियमितताएं पाए जाने के आधार पर कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन गत मंगलवार को खारिज कर दिया गया था। मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने के बाद शेष तीन नामांकन पत्रों की बुधवार को संवीक्षा (स्क्रूटनी) हुई थी। इसके बाद रिटर्निंग अधिकारी अरविंद शर्मा द्वारा बुधवार को ही उम्मीदवारों की फाइनल लिस्ट जारी कर दी थी, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तीनों उम्मीदवारों तरुण चुग, रजनीश अग्रवाल और महेश केवट के नाम शामिल थे।

सीबीआई ने गणेश बालासो काले को थाईलैंड से किया प्रत्यर्पित

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को साइबर धोखाधड़ी के मामले में वांछित भगोड़े गणेश बालासो काले को थाईलैंड से प्रत्यर्पण कराने में गुरुवार को कामयाबी मिली है। उसे 24 मई को बैंकॉक में थाई अधिकारियों ने हिरासत में लिया था और कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद 10 जून को भारत भेजा गया। सीबीसीआई के अधिकारी आरोपित को लेकर आज मुंबई पहुंच गए।

सीबीआई ने बताया कि मुंबई पहुंचने के बाद गणेश बालासो काले को महाराष्ट्र पुलिस की साइबर सेल ने अपनी हिरासत में ले लिया। काले पर आरोप है कि उसने ऑनलाइन पार्ट-टाइम नौकरी का लालच देकर लोगों से निवेश के नाम पर धन जमा कराया और बाद में उन्हें धोखा दिया। वह एक नेटवर्क चलाता था जिसमें निर्दोष व्यक्तियों को शामिल कर उनके बैंक खातों का उपयोग अवैध धन हस्तांतरण के लिए किया जाता था।

इसके अलावा उसने सह-आरोपितों को मोबाइल फोन और फर्जी सिम कार्ड की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए थे। सीबीआई ने बताया कि मामले की जांच जारी है। सीबीआई ने बताया कि विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय और थाईलैंड स्थित भारतीय दूतावास के सहयोग से आरोपित को मात्र 20 दिनों के भीतर रेड कॉर्नर नोटिस जारी होने के बाद खोजकर भारत लाया गया।

मप्र सब्जी उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर पहुंचा, चार वर्षों में हुई 21.58 लाख मीट्रिक टन की अभूतपूर्व वृद्धि

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश ने सब्जी उत्पादन में एक नई उपलब्धि हासिल की है। विगत चार वर्ष में प्रदेश के सब्जी उत्पादन में लगभग 21.58 लाख मीट्रिक टन की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मध्य प्रदेश इस समय देश में सब्जियों के उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। मध्य प्रदेश कृषि और उद्यानिकी के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी सशक्त पहचान बना चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में वर्ष 2026 को "किसान कल्याण वर्ष" के रूप में मनाया जा रहा है, इसका उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि, कृषि का विविधीकरण तथा खेती को अधिक लाभकारी बनाना है। जनसम्पर्क अधिकारी अनिल वशिष्ठ ने गुरुवार को बताया कि उन्होंने बताया कि उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा "समृद्ध किसान-समृद्ध मध्य प्रदेश" की थीम पर सब्जी क्षेत्र विस्तार की व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। प्रदेश की अनुकूल जलवायु, उपजाऊ भूमि, सिंचाई संसाधनों का विस्तार तथा किसानों द्वारा आधुनिक तकनीकों को अपनाने के कारण सब्जी उत्पादन में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही है। वर्ष 2022-23 में प्रदेश में सब्जियों का उत्पादन 236.41 लाख मीट्रिक टन था, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 257.99 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया। यह वृद्धि राज्य के कृषि एवं उद्यानिकी क्षेत्र की सुदृढ़ प्रगति को दर्शाती है।

जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, राष्ट्रीय स्तर पर सब्जियों का कुल उत्पादन लगभग 2177 लाख मीट्रिक टन है, जिसमें मध्य प्रदेश की भागीदारी लगभग 259 लाख मीट्रिक टन है। देश की खाद्य एवं पोषण सुरक्षा में मध्य प्रदेश महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। प्रदेश के लाखों किसान सब्जी उत्पादन से अपनी आय भी बढ़ा रहे हैं और देश की बढ़ती मांग को भी पूरा कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में किसानों द्वारा प्याज, आलू, टमाटर, बैंगन, फूल-गोभी, पत्ता-गोभी, हरी मटर, भिंडी, पालक, लौकी, अरबी, करेला, ककड़ी, मूली, तुरई (तोरी), गाजर, शकरकंद, शिमला मिर्च, परवल सहित अनेक प्रकार की सब्जियों का उत्पादन किया जाता है। इनमें प्याज उत्पादन का विशेष स्थान है। प्रदेश में सर्वाधिक क्षेत्र प्याज की खेती के लिए उपयोग किया जाता है। वर्ष 2022-23 में प्याज का रकबा 2.17 लाख हैक्टेयर था, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर लगभग 2.30 लाख हैक्टेयर हो गया है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में छोटी जोत वाले किसानों को सब्जी फसलों के उत्पादन के लिये ओर प्रोत्साहित किया जाना जरूरी है। जिनसे कम भूमि में अधिक आय प्राप्त हो सके। सब्जी उत्पादन इस दृष्टि से सबसे प्रभावी विकल्पों में से एक होने से ही किसान कल्याण वर्ष में सब्जी क्षेत्र विस्तार को विशेष प्राथमिकता दी गई है।

इंडियन आइडल की जज बनीं नेहा कक्कड़

बॉलीवुड की लोकप्रिय गायिका नेहा कक्कड़ आज देश की सबसे चर्चित सिंगर्स में गिनी जाती हैं, लेकिन एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें पहचान बनाने के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा। उनकी जिंदगी का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि जिस रियलिटी शो में वह एक कंटेस्टेंट के रूप में हिस्सा लेकर बाहर हो गई थीं, बाद में उसी शो में जज की कुर्सी तक पहुंचीं। नेहा कक्कड़ का परिवार एक छोटे से किराए के घर में रहता था। संगीत से जुड़े माहौल में पली-बढ़ीं नेहा को बचपन से ही गाने का शौक था। उनकी बड़ी बहन सोनू कक्कड़ और भाई टोनी कक्कड़ भी संगीत से जुड़े रहे हैं। महज चार साल की उम्र में नेहा ने धार्मिक आयोजनों और जागरणों में गाना शुरू कर दिया था। छोटी उम्र में ही वह परिवार के साथ मंच पर भजन गाती थीं। धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास बढ़ता गया और उन्होंने गायकी को ही अपना भविष्य बनाने का फैसला किया। बेहतर अवसरों की तलाश में परिवार दिल्ली आया और बाद में नेहा अपने भाई टोनी कक्कड़ के साथ मुंबई पहुंच गईं। यहां उन्हें कई बार निराशा का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। साल 2005 में नेहा ने 'इंडियन आइडल' में हिस्सा लिया, लेकिन वह आगे नहीं बढ़ सकीं और शुरुआती दौर में ही बाहर हो गईं। उस समय शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यही लड़की एक दिन उसी मंच पर जज बनकर बैठेगी।

शो से बाहर होने के बाद नेहा ने छोटे-बड़े कई प्रोजेक्ट्स में काम किया। साल 2008 में उनका पहला म्यूजिक एल्बम 'नेहा द रॉकस्टार' रिलीज हुआ। इसी दौरान उन्होंने फिल्म 'मीराबाई नॉट आउट' में कोरस सिंगिंग की। इसके बाद उन्हें कई फिल्मों और म्यूजिक प्रोजेक्ट्स में काम मिलने लगा। फिल्म 'कॉकटेल' का गाना 'सेकंड हैंड जवानी' उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुआ। इस गाने ने उन्हें देशभर में पहचान दिलाई। इसके बाद सफलता का सिलसिला लगातार आगे बढ़ता गया। 'लंदन ठुमकदा', 'सनी सनी', 'काला चश्मा', 'दिलबर' और 'आंख मारे' जैसे गानों ने उन्हें बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय आवाजों में शामिल कर दिया। उनकी गायकी को देश ही नहीं, विदेशों में भी पसंद किया जाने लगा। सोशल मीडिया और यूट्यूब पर भी उनकी बड़ी फैन फॉलोइंग बनी। नेहा को उसी 'इंडियन आइडल' में जज बनने का मौका मिला, जहां कभी वह कंटेस्टेंट के रूप में बाहर हो गई थीं। उन्होंने कई सीजन में जज की भूमिका निभाई और नए प्रतिभाशाली गायकों को मार्गदर्शन दिया।

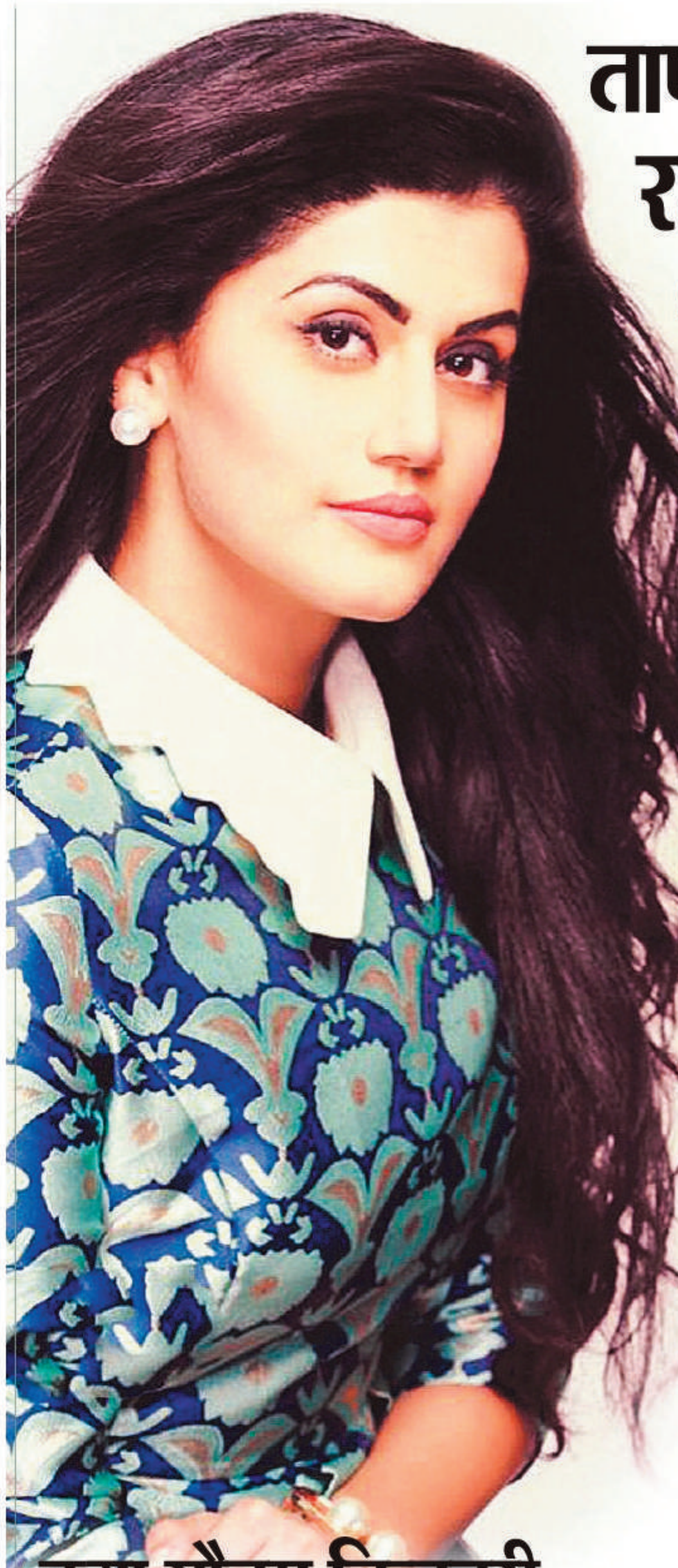

तापसी पन्नू को नहीं मिल रहे खास तरह के रोल

शाहरुख को लेकर कहा

तापसी पन्नू ने हाल ही में एक अहम मुद्दे पर बात की है। वह महिला कलाकारों के साथ हो रहे भेदभाव का जिक्र करती हैं। खुद भी वह ऐसी ही चुनौती का सामना कर रही हैं। तापसी का कहना है कि बढ़ती उम्र के कारण उन्हें कुछ खास तरह के किरदार ऑफर ही नहीं हो रहे हैं, मेकर्स को लगता है कि वो ऐसे किरदारों के लिए बड़ी हैं।

सिनेमा इंडस्ट्री में होता है उम्र को लेकर भेदभाव

हालिया इंटरव्यू में तापसी पन्नू कहती हैं, 'जब तक आप इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाते हैं, तब तक आप 30 साल के हो चुके होते हैं। फिर वे कहते हैं कि आप रोमांटिक-कॉमेडी में काम करने के लिए उतने यंग नहीं हैं। लेकिन मेल एक्टर्स के मामले में ऐसा नहीं होता है। इंडस्ट्री में उम्र को लेकर भेदभाव एक बड़ी बात है।'

तापसी पन्नू करियर फ्रंट पर क्या कर रही हैं?

तापसी पन्नू की हाल ही में एक फिल्म 'अस्सी' रिलीज हुई, इसमें उन्होंने एक वकील का रोल किया। यह फिल्म दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराध को लेकर एक बड़ी बहस छेड़ती है। तापसी पन्नू 'वो लड़की है कहां' और 'गांधारी' जैसी फिल्मों में भी नजर आएंगी।

शाहरुख का दिया उदाहरण

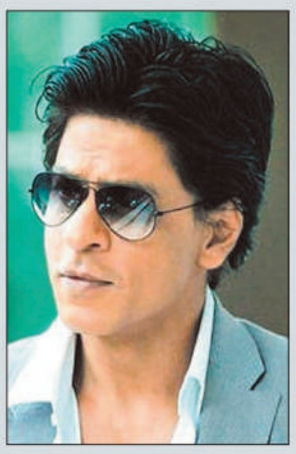

आगे तापसी पन्नू कहती हैं, 'साउथ में भी मेरे साथ ऐसा होता था। जैसे ही मुझे किसी सीनियर एक्टर के अपोजिट कास्ट किया जाता, यंग एक्टर मेरे साथ काम नहीं करना चाहते थे।' तापसी फिर बॉलीवुड का जिक्र करते हुए कहती हैं, 'शाहरुख खान के बारे में तो आप ऐसी बात कहने की हिम्मत भी नहीं कर सकते हैं।' इस तरह तापसी ने जाहिर किया दिया कि उम्र को लेकर भेदभाव सिर्फ एक्ट्रेसेस के साथ होता है, मेल एक्टर्स के करियर पर उम्र बढ़ने का कोई असर नहीं होता है।

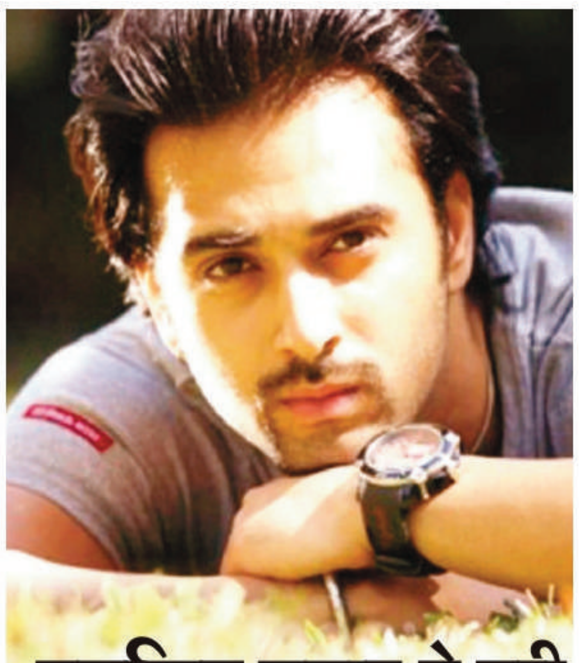

पुलकित सम्राट ने पूरी की अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग

अभिनेता पुलकित सम्राट ने निर्देशिका स्नेहा तौरानी द्वारा निर्देशित और रमेश तौरानी की टिप्स फिल्म्स के बैनर तले बन रही अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। हालांकि फिल्म की आधिकारिक घोषणा का अभी इंतजार है, लेकिन सूत्रों के अनुसार फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब केवल एक गाने की शूटिंग बाकी है।

फिलहाल अपने प्रोडक्शन के अंतिम चरण में पहुंच चुका पुलकित सम्राट का यह प्रोजेक्ट दर्शकों के एक कदम और करीब आ गया है। वैसे पिछले साल जब पुलकित का नाम इस प्रोजेक्ट से जुड़ा था, तब से ही फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई थी, लेकिन इस खबर के साथ ही दर्शकों की उत्सुकता अब चरम पर पहुंच चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि बॉलीवुड के सबसे सफल प्रोडक्शन हाउसेज में से एक टिप्स फिल्म्स के साथ एक उभरती हुई निर्देशिका और अपने करियर के मजबूत दौर से गुजर रहे अभिनेता का यह सहयोग इंडस्ट्री में पहले ही चर्चा का विषय बन चुका है। हालांकि पुलकित की इस फिल्म की शूटिंग पूरी होने की खबर भी ऐसे समय में आई है, जब पुलकित को उनकी हालिया रिलीज 'ग्लोरी' में दमदार प्रदर्शन के लिए काफी सराहना मिल रही है। गौरतलब है कि इस प्रोजेक्ट में एक बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आए पुलकित को उनके फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन और अभिनय के लिए दर्शकों ने खूब पसंद किया है। सिर्फ यही नहीं इस किरदार ने एक कलाकार के रूप में पुलकित की न सिर्फ एक नई छवि पेश की है, बल्कि चुनौतीपूर्ण व विविध भूमिकाएं निभाने की उनकी प्रतिष्ठा को भी और मजबूत किया है। सालों से अलग-अलग शैलियों में प्रयोग करते आए पुलकित सम्राट ने कमर्शियल एंटरटेनर्स के साथ-साथ परफॉर्मेंस आधारित किरदारों के बीच संतुलन बनाए रखा है। यही वजह है कि 'ग्लोरी' से मिली इस नई रफ्तार के बाद अब दर्शकों के बीच टिप्स फिल्म्स के साथ उनकी इस नई फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है। फिलहाल शूटिंग के बाद अंतिम चरण में पहुंच चुकी इस फिल्म में पुलकित सम्राट को बतौर मुख्य अभिनेता एक और दिलचस्प किरदार निभाते देखना वाकई आँखों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होगा। फिलहाल मेकर्स की ओर से आने वाले महीनों में फिल्म की आधिकारिक घोषणा किए जाने की संभावना है।

क्या गौतम तिन्ननुरी की फिल्म में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना?

कर्नाटक संगीत की महान गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी की जिंदगी पर एक बायोपिक फिल्म बनने जा रही है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा है। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना एमएस सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभा सकती हैं।

मुख्य अभिनेत्री को लेकर सस्पेंस

फिल्म में मुख्य भूमिका कौन निभाएगा, इसे लेकर अभी अलग-अलग जानकारी आ रही हैं। रश्मिका मंदाना को एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक के लिए चुना गया है। बताया जा रहा है कि हाल ही में इसके लिए उनके घर पर एक लुक टेस्ट भी हुआ है। हालांकि, कुछ समय पहले यह जानकारी आई थी कि रश्मिका या साई पल्लवी की जगह रुक्मिणी वसंत को इस रोल के लिए साइन किया गया है। लेकिन सबसे पहले चर्चा थी कि साई पल्लवी यह किरदार निभाएंगी और उन्होंने इसके लिए कर्नाटक संगीत सीखना भी शुरू कर दिया है। बहरहाल, फिल्म मेकर्स की तरफ से अभी तक किसी भी नाम पर आधिकारिक पुष्टि नहीं दी है।

बायोपिक का निर्देशन

एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक पर बन रही इस फिल्म का निर्देशन गौतम तिन्ननुरी करेंगे। गौतम तिन्ननुरी को सुपरहिट फिल्म 'जर्सी' बनाने के लिए जाना जाता है। गौतम काफी समय से इस कहानी पर रिसर्च कर रहे हैं।

'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी रश्मिका

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसके लिए रश्मिका ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया है। फिल्म 'कॉकटेल 2', 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं ।

शोभिता धुलिपाला ने आलोचकों को दिया करारा जवाब

नागा चैतन्य के साथ रिश्ते और शादी को लेकर लंबे समय से सोशल मीड्यिा पर ट्रोलिंग का सामना कर रहीं शोभिता धुलिपाला ने आखिरकार आलोचकों को करारा जवाब दिया है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि 'अब मुझे लोगों की बातों से फर्क नहीं पड़ता। मैं अपनी जिंदगी के बेहद खूबसूरत दौर में हूं।' बता दें कि शोभिता और नागा चैतन्य के रिश्ते की चर्चा साल 2022 में शुरू हुई थी। इसके बाद अगस्त 2024 में दोनों ने सगाई की और उसी साल दिसंबर में शादी कर ली। हालांकि, इस रिश्ते को लेकर शोभिता को लगातार सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। शोभिता ने आगे कहा कि 'लोगों की दिलचस्पी और चर्चाओं को मैं उत्सुकता के तौर पर देखती हूं। मैं बस अपनी जिंदगी जी रही थी और मुझे समझ नहीं आता कि लोग मुझसे कैसी प्रतिक्रिया की उम्मीद कर रहे हैं। समय के साथ मुझे अपनी पहचान और मानसिक मजबूती का बेहतर एहसास हो गया है।'

अपनी अच्छे एक्टर वाली छवि को बदलना चाहते हैं ऋतिक रोशन

बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन अब अपनी अच्छे एक्टर वाली छवि को बदलना चाहते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इशारा किया है कि वह अब सीधे-साधे और हमेशा सही रहने वाले किरदारों से हटकर कुछ अलग और गंभीर यानी ग्रे शेड की भूमिकाएं करना चाहते हैं। ऋतिक ने माना कि डायरेक्टर अक्सर उन्हें सिर्फ पॉजिटिव रोल ही ऑफर करते हैं, जिससे वे थोड़े निराश हैं।

इंस्टाग्राम पर शेयर की दिल की बात

ऋतिक ने पेरिस की एक खूबसूरत सड़क से अपनी एक सेल्फी शेयर की, जिसके बैकग्राउंड में एफिल टावर दिख रहा है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, 'मुझसे अभी पूछा गया कि मैं किस तरह का रोल करना चाहता हूं। जब मुझे इसका जवाब मिला, तो मैं खुद भी हैरान रह गया। क्या आपको फिल्म 'लक बाय चांस' का जफ्फर याद है? मुझे वैसा ही रोल चाहिए।' ऋतिक ने आगे लिखा, 'अगर मुझे ऐसा कोई मौका मिला, तो मैं उसे तुरंत अपना लूंगा। लेकिन दुख की बात है कि डायरेक्टर मुझे सिर्फ अच्छे इंसान के रोल में ही देखना चाहते हैं।'

क्या था 'जफ्फर' का किरदार?

साल 2009 में आई निर्देशक जोया अख्तर की फिल्म 'लक बाय चांस' में ऋतिक ने 'जफ्फर' नाम के एक मतलबी और घमंडी सुपरस्टार का छोटा सा रोल निभाया था। भले ही वह रोल छोटा था, लेकिन लोगों को बहुत पसंद आया था। ऋतिक की इस पोस्ट को देखकर जोया अख्तर ने तुरंत कमेंट में लिखा, 'चलो, कॉफी पर मिलते हैं।'

ऋतिक रोशन के आने वाले प्रोजेक्ट्स

ऋतिक को आखिरी बार फिल्म 'वॉर 2' में देखा गया था, जिसे बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली। आने वाले समय में वे इन बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे। 'कृष 4' सुपरहिट सुपरहीरो फिल्म से ऋतिक पहली बार निर्देशन के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। इस फिल्म को यश राज फिल्म्स और राकेश रोशन मिलकर बना रहे हैं। इसके अलावा ऋतिक अपनी वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम 'स्टॉर्म' है। 'स्टॉर्म' से ऋतिक अब ओटीटी की दुनिया में भी कदम रख रहे हैं। 'स्टॉर्म' मुंबई पर आधारित एक थ्रिलर सीरीज है।

'कांटे 2' को लेकर गंभीरता से काम कर रहे हैं संजय गुप्ता

निर्देशक संजय गुप्ता ने पुष्टि की है कि वह अपनी चर्चित फिल्म 'कांटे' के सीक्वल पर काम कर रहे हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि 'कांटे 2' की कहानी का शुरुआती खाका तैयार कर लिया गया है और अब वह इसकी स्क्रिप्ट लिखने की प्रक्रिया शुरू करेंगे। संजय गुप्ता और संजय दत्त लंबे समय से साथ काम करते रहे हैं। दोनों ने 'आतिश', 'जंग', 'खौफ', 'कांटे', 'मुसाफिर', 'जिंदा' और 'दस कहानियां' जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। संजय का मानना है कि संजय दत्त में आज भी किसी फिल्म को अपने दम पर सफल बनाने की क्षमता है। निर्देशक ने यह भी खुलासा किया कि 'कांटे' लंबे समय तक कानूनी विवाद में फंसी रही, जिसके कारण सीक्वल पर काम आगे नहीं बढ़ पाया। अब यह मामला सुलझ चुका है, जिससे वह फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर गंभीरता से काम कर रहे हैं।